RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 06 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रात: 05:46 बजे
सूर्यास्त सांय 19: 09 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ब्रिक्स से डोनाल्ड ट्रंप परेशान क्यों...

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 292 | गाजियाबाद, बुधवार 06 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन हो गया है। उनका लंबे समय दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। वह जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय जैसे राज्यों में गवर्नर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। छात्र राजनीति से करियर की शुरुआत करने वाले सत्यपाल मलिक समाजवादी विचारधारा से निकले नेता थे। एक सांसद से लेकर गवर्नर तक का सफर तय करने वाले सत्यपाल मलिक आखिरी कुछ सालों में भाजपा से जुड़े थे और कई राज्यों में गवर्नर के तौर पर सेवाएं दीं। हालांकि बीते कुछ सालों से वह सरकार के खिलाफ मुखर थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया था।

जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की याचिका: सुनवाई 8 अगस्त को

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का केंद्र को निर्देश देने की मांग संबंधी याचिका पर आठ अगश्त को सुनवाई की जायेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की ओर से याचिका पर सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले में आठ अगश्त को सुनवाई की जाएगी। उन्होंने 'विशेष उल्लेख' करते हुए कहा कि यह मामला आठ अगश्त को सूचीबद्ध दिखाया गया है। उस दिन की सूची से इसे न हटाया जाए। मुख्य न्यायाधीश ने उनके अनुरोध स्वीकार कर लिया और कहा कि यह मामला सूची से नहीं हटाया जाएगा। यह याचिका कॉलेज शिक्षक जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक ने दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के शीर्ष अदालत के समक्ष किए गए वादे का जिक्र करते हुए गया है कि यह आवश्यक हो जाता है कि जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से बहाल करने के लिए उचित निर्देश पारित किए जाएं।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नये राजदूत नियुक्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

संसद भवन में मोदी की अध्यक्षता में राजग संसदीय दल की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक मंगलवार को सुबह संसद भवन परिसर में हुई। जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित यह बैठक मानसून सत्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के संसदीय दल की पहली बैठक है। इसे मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण और अन्य मुद्दों पर संसद में चल रहे गतिरोध के साथ-साथ उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रवैया के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री अपने संबोधन में वैश्विक भू राजनीतिक स्थिति पर भी गठबंधन के सांसदों को संबोधित कर सकते हैं। इसमें अमेरिका की व्यापार नीति पर भारत का दृष्टिकोण भी शामिल हो सकता है। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे के कारण कामकाज नहीं हो रहा पा रहा है।

उत्तराखंड: बादल फटने से तबाही, 4 की मौत, अरबों रुपए की संपत्ति का नुकसान

✷ एनसीआर टुडे. देहरादून ✷

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से भीषण तबाही मची है, इसमे कई घर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बता दें कि इस घटना में अब तक चार लोगों के मौत की सूचना मिली है। जबकि 70 से अधिक लोगों के लापता होने की बात की जा रही है।

गंगोत्री धाम और मुखवा के पास स्थित धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से एक नाला उफान पर आ गया। नाले का पानी बहुत तेज़ी से पहाड़ों से निचले इलाकों की तरफ बहकर आया, जिससे कई घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है और संपत्ति को काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। घटना को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्षव अन्य राजनैतिक दलों के प्रमुख नेताओं ने दुख जताया है।

बादल फटने से आयी विनाशकारी बाढ़

धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। एक स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी राजेश पंवार ने बताया कि खीर गंगा के जल ग्रहण क्षेत्र के ऊपर बादल फटा जिसकी वजह से नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गयी।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दिखाई दे रहा है कि नदी में ऊपर से भारी मात्रा में तेजी से पानी और मलबा आया और देखते ही देखते मकान और होटल उसकी चपेट में आ गए।

पीएम ने जताया दुख

उत्तराखंड हादसे पर पीएम मोदी ने गहरा दुख जाहिर किया है। पीएम मोदी ने घटना के बाद सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में दुख जाहिर करते हुए लिखा 'उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली है। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव की टीमें हर संभव प्रयास में जुटी हैं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

खरगे-राहुल-प्रियंका ने धराली में बादल फटने की घटना पर जताया दुख

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली में आज बादल फटने की घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना वयक्त की है।

श्री खरगे ने सोशल मीडिए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'उत्तराखंड के धराली (उत्तरकाशी) में बादल फटने से हुई तबाही वाकई दिल दहला देने वाली है। कई लोगों की जान चली गई है और कई लोग लापता हैं। पूरे के पूरे परिवार उजड़ गए हैं। पीड़ित परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और सरकार तथा प्रशासन से बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील है।"

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे हादसा: सहायक जीएसटी कमिश्नर अनुभव सिंह की मौत; पत्नी-चालक घायल

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

मथुरा में तैनात सहायक जीएसटी कमिश्नर अनुभव सिंह की आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कन्नौज जिले में सड़क हादसे में मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए नीचे जा गिरी।

कन्नौज जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बीती रात एक तेज रफ्तार टाटा सफारी कार अनियंत्रित होकर जाली और डिवाइडर को तोड़ते हुए नीचे जा गिरी।राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में मथुरा के सहायक जीएसटी कमिश्नर अनुभव सिंह (45) की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस खबर के मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

राज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त अनिल कनौजिया ने बताया कि श्रावस्ती जनपद के थाना भिनगा के शिवाजी पुरम निवासी अनुभव सिंह (45) पुत्र अनूप सिंह वर्तमान में मथुरा में सहायक कमिश्नर जीएसटी के पद पर तैनात थे। सोमवार शाम को लगभग सात बजे अपनी टाटा सफारी कार से पत्नी के साथ मथुरा से घर जा रहे थे। चालक ने बताया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ओवरटेक लेन में पानी होने पर गाड़ी स्पीड में होने के कारण ब्रेक लगाने पर अनियंत्रित होकर बाई तरफ साइड की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे में कार में बैठे सभी लोग घायल हो गए।

सभापति से मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा सवाल, सदन आप चला रहे हैं या अमित शाह?

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राज्यसभा का सत्र मंगलवार को भी हंगामेदार रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति पर ही सवाल उठा दिए। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का नाम लेकर सवाल किया कि 'सदन कौन चला रहा है?' इसे लेकर सदन में जमकर नारेबाजी हुई।

उपराष्ट्रपति पद से अगश्त में जगदीप धनखड़ के इश्तीफे के बाद उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह पद पर बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खरगे ने कहा, 'हमारे पुराने नेताओं ने भी माना है कि व्यवधान डालना भी लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आज मैं आपसे एक बाद पूछना चाहता हूं कि सदन कौन चला रहा है? आप या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।' इसपर सिंह ने जवाब दिया, 'ये एकदम गलत आरोप हैं।'

कार्यवाही स्थगित

एसआईआर को वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी दलों ने मंगलवार को भी राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। उप सभापति हरिवंश ने जरूरी विधायी दश्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद सदस्यों को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रश्ताव के 34 नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया गया है।

इससे पहले उन्होंने सदन को बताया कि नेता विपक्ष खरगे ने गत एक अगश्त को उन्हें एक पत्र लिख कर आसन के निकट सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती पर आपत्ति जतायी।

इसी बीच विपक्ष के सदस्यों ने अपनी जगह से उठकर शोर शराबा शुरू कर दिया। उपसभापति ने हंगामे के बीच ही कहा कि यह चिंता की बात है कि नेता विपक्ष ने अपना पत्र सभी मर्यादाओं को भूलकर मीडिया को भी जारी कर दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष आसन की अपील के बावजूद बार बार नियमों का उल्लंघन कर कार्यवाही को बाधित कर रहा है। यहां तक कि विपक्ष के सदस्य सदन में अपनी बात रखने वाले सदस्यों की सीट पर जाकर वहां भी व्यवधान पैदा कर रहे हैं। यह नियमों का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि सदस्यों को अपने आचरण पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आसन के निकट के स्थान की एक मर्यादा है लेकिन विपक्षी सदस्य उसका उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आसन के निकट केवल मार्शलों को ही तैनात किया गया है और यह बहुत पुरानी परंपरा है।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोक सभा में मंगलवार को विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी हंगामे के बीच "गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक 2024" पारित कराये जाने के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे सदन की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी सदस्य बिहार में मतदाता सूचनी पुनरीक्षण के मुद्दे पर हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने विधायी दश्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और फिर ''गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को पारित कराये जाने का प्रश्ताव रखने के लिए कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का नाम पुकारा। इस पर श्री मेघवाल ने विधेयक से संबंधित प्रश्ताव रखा। विपक्ष के कुछ संशोधनों के प्रश्ताव को अस्वीकृत किये जाने के बाद विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

विधेयक ध्वनिमत से पारित होने के बाद श्रीमती राय ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने-अपने स्थानों पर जाने का आग्रह किया और कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा कराने को तैयार है इसलिए उन्हें हंगामा नहीं कर सदन की कार्यवाही चलने देनी चाहिए।

विपक्षी सदस्यों पर श्रीमती राय की अपील का कोई असर नहीं हुआ और वे हंगामा करते रहे। कुछ सदस्य सदन के बीचो-बीच आकर नारेबाजी और शोरगुल करते रहे। कई विपक्षी सदस्य एसआईआर के विरोध में नारे लिखी तख्तियां भी लिये हुए थे। हंगामा रुकते न देख श्रीमती राय ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले पूर्वाह्न 11 बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू किया, विपक्षी दलों के कुछ सदस्य बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को वापस लेने की मांग को लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आ गये। इस पर श्री बिरला ने कहा कि सदस्य प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से सदन की गरिमा बनाये रखने की सदस्यों से अपील की। श्री बिरला ने कहा कि सदस्य बार-बार आग्रह के बाद भी सदन की मर्यादा और गरिमा गिरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से सदन में व्यवधान उत्पन्न करना उचित नहीं है।

हंगामे के बीच ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में किसानों की आय दोगुना करने करे कई योजनायें लागू की गयीं।

नीट-यूजी, एक अभ्यर्थी का परीक्षा परिणाम का पुनर्मूल्यांकन करें: एससी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 के अभ्यर्थी की याचिका पर उसके परीक्षा परिणाम का एक सप्ताह में पुनर्मूल्यांकन करने का मंगलवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने रॉबिन सिंह की रिट याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस संबंध में आदेश पारित किया।

शीर्ष अदालत अपने आप में 'दुर्लभतम' सवाल उठाने वाली इस याचिका पर अगली सुनवाई 12 अगश्त को करेगी। याचिकाकर्ता ने प्रश्न पत्र और ओएमआर शीट के क्रम संख्या में असमानता की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसकी वजह से उसकी रैंकिंग में गिरावट आई है।

पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विश्तार से सुनने के बाद कहा, "प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। वह (याचिकाकर्ता) प्रक्रिया के लिए आया है। उसे सीट (दाखिला) तो नहीं मिलेगी, लेकिन कम से कम उसे इस बात का संतोष तो होगा कि शीर्ष न्यायालय ने इस पहलू पर गौर किया है।"

पीठ के समक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे दलील देते हुए कहा कि प्रश्न पत्र पुश्तिका नत्थी (स्टेपल) ठीक से नहीं करने के कारण यह समस्या हो सकती है। यह दुर्लभतम मामला है और ऐसे मामले आमतौर पर नहीं होते।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति में फिलीपींस प्रमुख साझेदार : मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति, विज़न महासागर और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में फिलीपींस को प्रमुख साझेदार मानता है।

सुश्री मुर्मु ने भारत यात्रा पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज़ मार्कोस जूनियर का स्वागत किया। उन्होंने उनके सम्मान में भोज का भी आयोजन किया।

राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर स्वागत करते हुए सुश्री मुर्मु ने कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच दीर्घकालिक मित्रता है जो सभ्यतागत संपर्कों, ऐतिहासिक संबंधों और साझा मूल्यों पर आधारित है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देशों के व्यापक सहयोग में निरंतर उच्च-श्तरीय संपर्क, फलता-फूलता व्यापार और वाणिज्य, समुद्री क्षेत्र सहित मज़बूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विकास साझेदारी, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में सहयोग, कृषि, डिजिटल और वित्तीय प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान शामिल हैं। उन्होंने कहा , "आज द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के रूप में उन्नत करने से हमारे बहुआयामी सहयोग को और बल मिलेगा।" राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-फिलीपींस साझेदारी न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए लाभकारी है, बल्कि यह क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि का आधार भी है। फिलीपींस भारत की एक्ट ईस्ट नीति, महासागर विजन और हिंद-प्रशांत के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने अगले वर्ष आसियान अध्यक्ष के रूप में फिलीपींस के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति ने पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता और समर्थन के लिए फिलीपींस सरकार को धन्यवाद दिया।

उन्होंने फिलीपींस के साथ विकास सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें त्वरित प्रभाव परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी शामिल है, जिनका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के दैनिक जीवन को सीधे लाभ पहुँचाना है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री क्षेत्र में, विशेष रूप से मानवीय सहायता और आपदा राहत, तथा खोज एवं बचाव के क्षेत्र में, दोनों देशों के समान हित और चिंताएँ हैं - साझेदारों के रूप में, हम इन क्षेत्रों में एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि यह यात्रा, जो राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रही है, भारत और फिलीपींस के बीच एक मजबूत साझेदारी बनाने में मदद करेगी।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । एसएसपी संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनमें आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि, स्कूली वाहनों की फिटनेस व सुरक्षा की होगी कड़ी निगरानी : आयुक्त

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । जिलों में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर शासन श्तर से जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आयुक्त अलीगढ़ मण्डल श्रीमती संगीता सिंह ने मण्डल के सभी जिलों में स्कूल बसों एवं वैन की फिटनेस, परमिट तथा सुरक्षा मानकों की नियमित और सघन निगरानी के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट कहा है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों पर चले विशेष अभियान की समीक्षा उपरांत आयुक्त ने समस्त जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं आरटीओ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक श्तर पर स्कूली वाहनों की फिटनेस, चालक की पृष्ठभूमि जांच, जीपीएस, अग्निशमन यंत्र, प्रथम उपचार किट जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए। आयुक्त ने कहा कि यह जिम्मेदारी सभी सम्बंधित विभागों की है, अतः आपसी समन्वय के साथ मासिक विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति की बैठकें अनिवार्य रूप से कराई जाएं। इसके साथ ही, समय-समय पर अभिभावकों से भी फीडबैक लेकर वाहनों की स्थितियों की निगरानी की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि कोई वाहन बिना फिटनेस अथवा न्यूनतम सुरक्षा मानकों के विपरीत संचालित पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली (26वां संशोधन) 2019 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने साफ किया कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि स्कूली वाहन पूर्णतया सुरक्षित हों।

रेलवे लाइन पार करते पॉच व्यक्ति दबोचे

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । अलीगढ़ जंक्शन पर आरपीएफ ने रेलवे लाइन पास करते समय पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चंदन कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी सीमा फाटक थाना बन्ना देवी जिला अलीगढ़, मंगल कुमार पुत्र बंगाली प्रसाद उमर निवासी अचल लालसुना रामलीला ग्राउंड थाना गांधी पार्क जिला अलीगढ़, गौरव पुत्र मुन्नालाल पता उपरोक्त, विशाल कुमार पुत्र सुरजीत निवासी सूत मिल चौराहा बुद्ध विहार कॉलोनी थाना बन्ना देवी जिला अलीगढ़ और केशव पुत्र मनोज कुमार निवासी नई बश्ती सीमा टॉकीज थाना बन्ना देवी जिला अलीगढ़ को रेलवे स्टेशन पर यार्ड में रेलवे लाइन पार करते समय गिरफ्तार किया।

राष्ट्रीय पत्रकार संगठन की मासिक बैठक संपन्न

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । राष्ट्रीय पत्रकार संगठन की मासिक बैठक रेस्टोरेंट पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक पंकज धीरज व जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से की। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पत्रकारों की सुरक्षा, समाजहित एवं राष्ट्रहित में संगठन की भूमिका को लेकर विश्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि परिषद न केवल पत्रकार हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है, बल्कि समाज एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 14 अगश्त को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनपद के प्रमुख स्थलों पर संगठन के पदाधिकारी और सदस्य मिलकर पौधारोपण करेंगे। परिषद द्वारा लिया गया यह संकल्प पत्रकारिता से आगे बढ़कर समाज सेवा की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम माना जा रहा है। बैठक में उपाध्यक्ष सुशील तोमर, महासचिव संदीप शर्मा, संगठन मंत्री पुष्पेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री मनोज चौहान, जितेन्द्र कुमार कार्यालय प्रभारी, महामंत्री गौरव अस्थाना, देवेंद्र पाल सिंह प्रवक्ता, विशाल शर्मा, सचिव डी.के.गौतम, सोनू शर्मा, दीपाली सक्सेना, डीके शर्मा सहित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

मेरी बेटी अब कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, ज्योति मल्होत्रा के पिता ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हिसार, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा की हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आज छठी पेशी हुई। अदालत ने ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। इस बीच ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिख कर अपनी बेटी को निर्दोष बताया है।

उन्होंने पुलिस पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस ने कोरे कागज पर साइन कराकर खुद ही ज्योति का बयान लिखा है। देशद्रोह की धारा भी लगा दी लेकिन इसका कोई भी सबूत पुलिस अभी तक नहीं जुटा पाई है। हरीश मल्होत्रा ने कहा अब उनकी बेटी कभी पाकिस्तान नहीं जाएगी, मैं इसकी गारंटी लेता हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को भेजे पत्र में हरीश मल्होत्रा ने लिखा कि पुलिस की एफआईआर का आधार पूछताछ के दौरान ज्योति की ओर रिकॉर्ड करवाई गई स्टेटमेंट है। पुलिस ने उनकी बेटी से कई कोरे कागजातों पर साइन करवाकर अपने हिसाब से बयान लिखा है। संविधान का अनुच्छेद 20 हमें आत्म-दोषारोपण से बचाता है, जिसके तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को उसके खुद के खिलाफ गवाह नहीं बना सकती लेकिन एफआईआर में ज्योति को ही उसके खिलाफ गवाह बनाया हुआ है। यह एफआईआर असंवैधानिक है।

उन्होंने लिखा कि पुलिस ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 जोड़ी गई है और देशद्रोह का कोई आरोप नहीं लगाया है। 9 दिन के रिमांड के दौरान भी ऐसे सबूत नहीं मिले हैं। ऐसे में पुलिस को यह धारा हटानी चाहिए। हरीश ने कहा कि हिसार के एसपी ने मीडिया में प्रेस नोट जारी कर स्पष्ट किया था कि जांच के दौरान ज्योति के किसी भी संवेदनशील, सैन्य और रणनीति जानकारी तक पहुंच नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में ऑफिशियल सिक्रेट एक्ट की धाराओं के आरोप भी मेरी बेटी के खिलाफ सही नहीं हैं।

हरीश मल्होत्रा ने कहा कि मेरी बेटी ट्रैवल ब्लॉगर थी और उसने पाकिस्तान यात्रा के सामान्य बनाए हैं। उनमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं हैं। फिर भी एजेंसी अगर कोई वीडियो हटाने के लिए कहती है तो उनको मेरी बेटी अपने ब्लॉग से हटा देगी, मैं इसकी गारंटी दे रहा हूं। अब मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी में पाकिस्तान नहीं जाएगी। इसकी मैं गारंटी लूंगा। मेरी बेटी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करवाकर मुझे व मेरी बेटी को न्याय दिलाने का कष्ट करें।

1 अगस्त को ज्योति मल्होत्रा का 35वां जन्मदिन जेल में ही बीता था। ज्योति जब डेढ़ साल की थी तो उसकी मां उसे शिशु गृह में छोड़ कर चली गई थी और पिता और दादा दादी ने उसे पाला था। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद उसकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 26 मई को अदालत में पेश कर उसे हिसार की सेंट्रल जेल-टू भेज दिया था। तब से वह जेल में ही है और उसके पिता उस से मिलने आते रहते हैं। ज्योति के वकील कुमार मुकेश अब डिफॉल्ट बेल की एप्लिकेशन लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

मानेसर में भाजपा का दांव सफल, बिना लड़े ही सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पदों पर कब्जा

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के मानेसर नगर निगम में मंगलवार को हुए सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एकतरफा जीत हासिल की है। भाजपा के उम्मीदवार प्रवीण यादव सीनियर डिप्टी मेयर और रीमा दीपक चौहान डिप्टी मेयर के पद पर निर्विरोध चुन लिए गए। यह चुनाव मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर और उनके खेमे के 8 समर्थक पार्षदों की अनुपस्थिति में संपन्न हुआ, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार किया।

इस निर्विरोध जीत के साथ ही भाजपा ने मानेसर नगर निगम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जहां कुछ महीने पहले हुए मेयर चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा था। तब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर डॉ. इंद्रजीत कौर ने जीत दर्ज की थी, जिन्हें केंद्रीय मंत्री और गुरुग्राम के सांसद राव इंद्रजीत सिंह का करीबी माना जाता है। इस चुनाव से पहले हरियाणा की राजनीति में एक बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। अपनी जीत सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की क्रॉस वोटिंग से बचने के लिए भाजपा ने अपने और कुछ समर्थक निर्दलीय पार्षदों को कथित तौर पर नेपाल भेज दिया था। सूत्रों के अनुसार, लगभग 12 पार्षद पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के नेतृत्व में नेपाल की यात्रा पर थे और चुनाव के दिन ही गुरुग्राम वापस लौटे। इस कदम ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। मानेसर नगर निगम में यह पूरा घटनाक्रम केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के बीच चल रहे राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई का एक और अध्याय माना जा रहा है। मेयर चुनाव में राव इंद्रजीत समर्थित उम्मीदवार की जीत को राव नरबीर के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया था। अब सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के पदों पर अपने उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत सुनिश्चित कर राव नरबीर ने फिलहाल बढ़त बना ली है। इस साल हुए नगर निगम चुनावों में मानेसर एकमात्र ऐसा निगम था जहाँ भाजपा को मेयर पद पर हार मिली थी। कुल 20 पार्षदों वाली इस निगम में भाजपा के सात पार्षद जीते थे, जबकि 13 निर्दलीय थे। बाद में, राव नरबीर के प्रयासों से सात निर्दलीय पार्षद भाजपा में शामिल हो गए, जिससे निगम में भाजपा का संख्या बल बढ़ गया। इस पूरे प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में मानेसर नगर निगम की राजनीति में दोनों दिग्गज नेताओं के बीच खींचतान और तेज हो सकती है।

फिर जेल से बाहर आया रेप और हत्या का दोषी गुरमीत राम रहीम, इस बार 40 दिन की मिली पैरोल

रोहतक, एजेंसी। बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषी डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल मिली है। इससे पहले अप्रैल 2025 में उसे 21 दिन की फरलो दी गई थी। यह 2020 से अब तक 14वीं बार है जब राम रहीम जेल से बाहर आया है। जेल अधिकारियों ने पुष्टि की है कि राम रहीम मंगलवार सुबह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और सीधे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा आश्रम के लिए रवाना हुआ। अब तक वह कुल 326 दिन जेल में बिता चुका है।

गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद 2019 में पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या के मामले में भी उसे दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, 2002 में अपने ही मैनेजर रंजीत सिंह की हत्या के मामले में उसे उम्रकैद की सजा मिली थी। हालांकि, इस साल मई 2024 में उसे और चार अन्य आरोपियों- अवतार सिंह, कृष्ण लाल, जसबीर सिंह और सबदिल सिंह को दोषपूर्ण और संदिग्ध जांच का हवाला देते हुए बरी कर दिया गया।

इस साल जनवरी में राम रहीम को 20 दिन की पैरोल मिली थी, जबकि अप्रैल में 21 दिन की फरलो दी गई थी। अब अगस्त में उसे फिर 40 दिन की पैरोल दी गई है, जिससे उसकी लगातार रिहाई पर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्षों में देखा गया है कि राम रहीम को चुनावी समय के आसपास जेल से बाहर आने की अनुमति मिली है।

हालांकि, चुनाव आयोग की सख्ती के चलते उसे चुनावी गतिविधियों में भाग लेने, भाषण देने और संबंधित राज्यों में ठहरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। गौरतलब है कि गुरमीत राम रहीम सोशल मीडिया के जरिए वीडियो संदेश जारी करता रहा है और उसके समर्थकों के बीच उसकी मौजूदगी का असर बना रहता है। उसके बार-बार जेल से बाहर आने को लेकर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए पैरोल देने का आरोप लगाया है।

गुरुग्राम के दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत

गुरुग्राम , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और लोहे के पाइपों से लदे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में गुरुग्राम पुलिस के एक उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल की मौत हो गई और दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार रात एक्सप्रेसवे पर धनौरी गांव के पास हुई, जब चारों पुलिसकर्मी एक जांच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ जा रहे थे। गुरुग्राम के सेक्टर 40 स्थित अपराध इकाई में तैनात उपनिरीक्षक संजय कुमार (45) और कांस्टेबल अमित (34) की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

हमीरपुर जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात 10 बजे से 10.15 बजे के बीच राठ थाना क्षेत्र के घमौरी गांव के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह और कांस्टेबल अमित कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायलों में सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) इंद्रजीत और हेड कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राजेश वाहन चला रहा था।

हिमाचल भाजपा की 17 जिला कार्यकारिणी घोषित, महिलाओं को तवज्जो; जल्द बनेगी प्रदेश टीम

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश भाजपा ने प्रदेश भर में अपनी 17 जिला कार्यकारिणियों की घोषणा कर दी है। जल्द ही प्रदेश स्तर की नई टीम भी बनाई जाएगी। यह जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसने जनसंघ से लेकर आज तक संगठन की मजबूती और मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। डॉ. बिंदल ने बताया कि घोषित की गई 17 जिला कार्यकारिणियों में कुल 874 सदस्य और पदाधिकारी शामिल हैं। इनमें 358 महिलाएं और 258 अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी वर्ग से हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक मजबूत संगठन खड़ा किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा के 171 मंडलों में बनी कार्यकारिणियों में कुल 7587 सदस्य हैं। इनमें 2569 महिलाएं और 3532 अनुसूचित जाति, जनजाति व ओबीसी वर्ग से हैं। प्रदेश के 8007 बूथों में से 7870 बूथों पर 11-11 सदस्यों की समितियां भी गठित कर दी गई हैं। इस तरह बूथ स्तर पर भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की संख्या 89,646 हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी और मजबूत टीम के साथ भाजपा आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. बिंदल ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो कभी संसद में 500 सांसदों वाली बड़ी पार्टी थी, आज बहुत कम संख्या तक सिमट गई है। जबकि भाजपा, जो कभी सिर्फ दो सांसदों से शुरू हुई थी, आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गठन आजादी के लिए हुआ था, लेकिन आज वह सत्ता की राजनीति में उलझकर कमजोर हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस को भारत के तिरंगे से कोई परेशानी है तो वह साफ बताए। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा के लिए तिरंगा देश की आन, बान और शान है। भाजपा पूरे प्रदेश में 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाएगी और 15 अगस्त को सभी 171 मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। साथ ही 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया जाएगा, ताकि लोग देश के बंटवारे की पीड़ा को जान सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हिमाचल कांग्रेस का संगठन पिछले एक साल से भंग पड़ा है और न बूथ स्तर पर कोई टीम है, न प्रदेश स्तर पर। इसके विपरीत भाजपा का हर कार्यकर्ता लगातार नई ऊर्जा के साथ मैदान में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन मजबूत और अभेद्य है और यही संगठन 2027 के विधानसभा चुनाव में भी जीत की ओर बढ़ रहा है।

परिवार की सहमति बिना मंजूर नहीं प्रेम विवाह, पंजाब की ग्राम पंचायत के अनूठे फैसले से विवाद

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मोहाली जिले के एक गांव की ग्राम पंचायत ने परिवार या समुदाय की सहमति के बिना प्रेम विवाह करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ग्राम पंचायत ने बाकायदा इसके खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि कोई भी प्रेमी जोड़ा अपने परिवार या समुदाय की इजाजत के बिना प्रेम विवाह नहीं कर पाएगा। चंडीगढ़ से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर स्थित मानकपुर शरीफ की ग्राम पंचायत के इस फैसले की राजनीतिक नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तीखी आलोचना की है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 जुलाई को सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि ग्राम पंचायत उन जोड़ों को गांव में या आस-पास के इलाकों में रहने से प्रतिबंधित करता है, जो अपने परिवारों की इजाजत के बिना शादी करेंगे। प्रस्ताव में ऐसे प्रेमी जोड़ों का समर्थन करने या उन्हें आश्रय देने वाले किसी भी ग्रामीण के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

सरपंच बोले- यह सजा नहीं, परंपराओं का संरक्षण

गांव के सरपंच दलवीर सिंह ने कहा, यह कोई सजा नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं और मूल्यों की रक्षा के लिए एक जरूरी कदम है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव हाल ही में हुई एक घटना के बाद आया है जिसमें 26 वर्षीय दविंदर ने अपनी 24 वर्षीय भतीजी बेबी से शादी कर ली थी। यह जोड़ा अब गांव छोड़कर जा चुका है, लेकिन इस घटना का यहाँ रहने वाले 2,000 ग्रामीणों पर असर पड़ा है। सिंह ने आगे कहा, हम प्रेम विवाह या कानून के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम अपनी पंचायत में इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं।

बीजेपी को नेहरू से इतनी नफरत कि मेट्रो स्टेशन का नाम भी उन पर नहीं रखा गया: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने सोमवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी को जवाहरलाल नेहरू से इस कदर नफरत है कि मुंबई के वर्ली इलाके में नेहरू विज्ञान केंद्र के पास स्थित मेट्रो रेलवे स्टेशन के नाम में देश के पहले प्रधानमंत्री का नाम तक शामिल नहीं किया गया। राउत ने कहा कि नेहरू विज्ञान केंद्र मुंबई का एक ऐतिहासिक स्थल है, लेकिन मेट्रो लाइन 3 के इस स्टेशन को सिर्फ विज्ञान संग्रहालय स्टेशन कहा जाता है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि इसी तरह दहिसर-अंधेरी मार्ग पर स्थित एक मेट्रो स्टेशन को राष्ट्रीय उद्यान स्टेशन नाम दिया गया है, क्योंकि यह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के करीब है। राउत ने कहा कि इस स्टेशन के नाम में भी संजय गांधी का नाम शामिल नहीं किया गया है। संजय राउत ने कहा, अगर किसी में इतनी नफरत है तो वह देश पर शासन करने के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी भाजपा और केंद्र में सबसे बुद्धिमान मंत्री हैं, लेकिन उन्हें डर है कि नेहरू और महात्मा गांधी की प्रशंसा करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गडकरी ने गांधी, नेहरू की टिप्पणियों को किया याद रविवार को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने महात्मा गांधी और नेहरू की टिप्पणियों को याद किया था। उन्होंने कहा, नेहरूजी कहते थे कि हमें अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गांधीजी कहते थे कि हमें अधिकतम लोगों की भागीदारी के साथ अधिकतम उत्पादन की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि केंद्र से बनाई जा रही खनन नीति से कारोबार करना आसान हो जाएगा, क्योंकि सभी मंजूरियांती न महीने में दे दी जाएंगी ताकि खनन प्रक्रिया चौथे महीने में शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि नई खनन नीति के तहत सभी अड़चनें दूर कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा, यह खनन नीति हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी के लिए आई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री इस पर पूरी तरह सहमत नहीं थे और मेरे कुछ सुझाव देने के बाद उन्होंने मंत्रिमंडलीय सचिव को मेरे साथ नीति पर चर्चा और समीक्षा करने का निर्देश दिया।

जयपुर में लेबर इंस्पेक्टर की हत्या: घर पहुंचते ही साले ने दागी 7 गोलियां

जयपुर, एजेंसी। जयपुर की शांत सुबह अचानक गोलियों की आवाज से दहल उठी। मोहल्ले में लोग अखबार और चाय की चुस्कियों में व्यस्त थे, लेकिन उसी वक्त एक घर के बाहर मौत घात लगाकर बैठी थी। वो सुबह आम नहीं थी, क्योंकि उस दिन रिश्तों की रगों में नफरत का ज़हर दौड़ चुका था। और कुछ ही पलों में, एक राइफल की ट्रिगर पर रखी उंगली ने पूरे शहर को चौंका दिया।

ये कहानी है इंस्पेक्टर शंकर लाल बलाई की एक जिम्मेदार अफसर, जो हर दिन की तरह उस सुबह भी मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि लौटते ही उनका स्वागत गोलियों से किया जाएगा। दरअसल, बगरू के जिस घर में वो रहते थे, उसी के बाहर उनका साला अजय कटारिया पहले से छिपा बैठा था। आंखों में जलन, सीने में बदले की आग और हाथ में थी सरकारी राइफल। अजय आरएसी की 12वीं बटालियन में जवान था, लेकिन उस सुबह वो कानून का रक्षक नहीं, बल्कि खुद कानून तोड़ने वाला बन चुका था।

शंकरलाल जैसे ही घर के गेट पर पहुंचे, अजय ने बिना कुछ कहे एक के बाद एक सात गोलियां चला दीं। हर गोली जैसे बदले की एक चिट्ठी थी पिछली कहानी के अधूरे पन्ने, जिन्हें अजय अब खून से लिखना चाहता था। इंस्पेक्टर शंकरलाल जमीन पर गिरे और वहीं उनकी सांसें हमेशा के लिए थम गईं।

लोगों को जब तक कुछ समझ आता, अजय वहां से जा चुका था। लेकिन उसने भागने की कोशिश नहीं की। वो सीधे फुलेरा थाने पहुंचा, राइफल पुलिस के हवाले की और बोला मार दिया मैंने। पुलिस भी हैरान, क्योंकि

आरोपी न सिर्फ वर्दी में था बल्कि उसके बयान ने मामले को और भी पेचीदा बना

दिया। जांच में पता चला कि अजय कटारिया की सगाई कुछ समय पहले हुई थी, और वो रिश्ता शंकरलाल ने ही तय करवाया था। लेकिन अजय को बाद में यह पता चला कि जिस लड़की से उसकी सगाई हुई थी, उसका किसी और से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि रिश्ता टूट गया। अजय टूट चुका था, गुस्से में था, और अंदर ही अंदर ये मान बैठा कि उसकी जिंदगी बर्बाद करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसका जीजा शंकरलाल ही है।

एक दिन उसने युवती से बात करने की कोशिश की। लेकिन जवाब मिला 'शंकरलाल भाईसाहब ने मिलने से मना किया है।' यही लाइन उसके दिमाग में हथौड़े की तरह गूंजती रही। और इसी एक लाइन ने शायद अजय को कातिल बना दिया।

पुलिस को दिए बयान में अजय ने कहा कि वो काफी समय से डिप्रेशन में था। लेकिन असली कहानी कुछ और कहती है उसकी हरकतें, उसका प्लान, सुबह-सुबह हथियार के साथ पहुंचना और फिर गोलियों की बौछार ये सब कुछ बताता है कि ये मर्डर अचानक नहीं था, ये सोच-समझकर रची गई स्क्रिप्ट थी।

जिस इंसान ने रिश्ता जोड़ा था, उसी को गोली मार दी गई। जिस घर में अजय मेहमान बनकर आता था, वहां मौत का मेहमान बनकर पहुंचा। और सबसे खौफनाक बात ये कि ये कोई गैंगस्टर, कोई बाहरी दुश्मन नहीं था ये खून उस रिश्ते ने किया, जो खून से ही बना था।

अब अजय पुलिस की गिरफ्त में है, लेकिन शंकरलाल की मौत के साथ कई सवाल भी जिन्दा हैं। क्या वर्दी पहन लेने से इंसान अंदर से मजबूत हो जाता है या जब दिल में ज़हर हो तो कानून की वर्दी भी उसे रोक नहीं पाती

अत्यधिक बारिश के चलते मकान की छत गिरी, वृद्ध घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। दो दिनो से लगातार पड़ रही बारिश से एक मकान की कच्ची छत भरभराकर गिर गई। जिसमें एक व्यक्ति दबकर घायल हो गया। घायल को निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मंगलवार को सुबह करीब पांच बजे नगर के मोहल्ला नई आबादी निवासी अय्याज़ पुत्र शहाबुद्दीन अंसारी 60 वर्ष व उसकी पत्नी खैरुन्निशा दोमला अपने कच्चे मकान के ऊपर वाली मंज़लि में आराम कर रहे थे। अय्याज़ की पत्नी खैरुन्निशा सुबह नमाज के बाद नीचे आ गई। इसी दौरान उनके कच्चे मकान की ऊपरी मंजिल की छत भरभरा कर गिर गई। जिसके मलवे में अय्याज़ दब गया। छत गिरने की आवाज सुनकर परिवार व मौहल्ले के लोगों ने आनन-फानन में मलवे को हटाकर उसे बाहर निकाला। घटना में अय्याज़ गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पालिका के विकास कार्य की खुली पोल

✷ एनसीआर टुडे. स्याहारा ✷। क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के चलते एक पुराना नाला भरभराकर गिर पड़ा। आप को बता दें कि ये नाला मुरादाबाद रोड एस के फोटो स्टेट के निकट हैं।, नाले के गिरने से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।, वरना जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाला काफी समय से जर्जर हालत में था।, लेकिन प्रशासन ने कभी ध्यान नहीं दिया। अब भारी बरसात के कारण उसकी दीवारें ढह गईं,। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

पालिका के विकास कार्य की खुली पोल

✷ एनसीआर टुडे. स्याहारा ✷। क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के चलते एक पुराना नाला भरभराकर गिर पड़ा। आप को बता दें कि ये नाला मुरादाबाद रोड एस के फोटो स्टेट के निकट हैं।, नाले के गिरने से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वरना जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाला काफी समय से जर्जर हालत में था।, लेकिन प्रशासन ने कभी ध्यान नहीं दिया। अब भारी बरसात के कारण उसकी दीवारें ढह गईं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो दुकान में घुसी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। तहसील इगलास क्षेत्र के थाना गोण्डा के इगलास-गोण्डा मार्ग पर गांव ढांड में एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दुकान में घुस गई। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए, घायलों को इलाज के लिए अलीगढ़ भेजा गया। घटना के समय कैलाश चंद पुत्र कुलदीप अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान गोण्डा से दवाई लेकर जा रहे सचिन, शिवम और रणदीप दुकान पर रुके। सचिन दुकान से कोल्ड ड्रिंक लेने गया था, जबकि शिवम और रणदीप फोन पर बात कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मारते हुए दुकान में घुस गई। इस हादसे में कैलाश चंद, कुलदीप, शिवम और रणदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। सचिन को हल्की चोटें आईं। गोण्डा पुलिस मौके पर पहुंचकर स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में लेकर थाने पर ले गई। साथ ही घायलों को तुरंत अस्पताल भेज दिया गया, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करबन नदी पुल पर बड़ा गड्ढा बना खतरा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। इगलास क्षेत्र में अलीगढ़-मथुरा मार्ग पर स्थित करबन नदी पुल के किनारे बना गड्ढा यात्रियों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा दो दिन पहले इस गड्ढे को गिट्टी डालकर अस्थाई रूप से भरवाया गया था। लेकिन हर सुबह यह गड्ढा फिर से पहले से बड़े आकार में नजर आ रहा है। विभाग द्वारा की गई मरम्मत महज खानापूर्ति साबित हो रही है। शुक्रवार को मीडिया द्वारा मामले को उठाए जाने के बाद जल्दबाजी में गिट्टी डाल दी गई। लेकिन शनिवार और रविवार को गड्ढा फिर पहले से ज्यादा खतरनाक स्थिति में दिखाई दिया। जिम्मेदार अधिकारियों का दावा है कि गड्ढा बंद कर दिया गया है और यहां कोई खतरा नहीं है। लेकिन सवाल यह उठता है कि अगर वाकई खतरा नहीं है, तो गिट्टी डालने के कुछ घंटों बाद ही गड्ढा फिर से क्यों उभर आता है। स्थानीय नागरिकों और राहगीरों में इस लापरवाही को लेकर रोष है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही इस पुल के किनारे सड़क की स्थायी मरम्मत नहीं की गई, तो यह कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस मार्ग पर आवागमन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जाए।

डीएम व एसएसपी ने नुमाइश ग्राउण्ड कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में प्रशतावित वीवीआईपी, वीआईपी भ्रमण व कार्यक्रम के दृष्टिगत डीएम संजीव रंजन एवं एसएसपी संजीव सुमन द्वारा थाना बन्नादेवी क्षेत्रांतर्गत नुमाइश ग्राउण्ड कार्यक्रम स्थल एवं आईटीआई परिसर का निरीक्षण कर पुलिस राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकारियों को सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को चुश्त-दुरुश्त एवं चाक-चौबन्द रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक, पुलिस अधीक्षक यातायात प्रवीन कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नशीले पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जनपद में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना टप्पल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त हरीशंकर पुत्र वीरपाल निवासी अड्डा छपारी थाना नौहझील जनपद मथुरा को मय एक किलो 500 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा सहित जे०पी० पेट्रॉल पम्प नोएडा कट के पास थाना टप्पल जनपद अलीगढ़ से गिरफ्तार किया।

ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया मंदिर की भूमि पर कब्जे में हमसाज होने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना देहात क्षेत्र के गांव पूरनपुर उर्फ मुर्तजापुर के लोगों ने तहसील परिसर में पहुंचकर। धरना प्रदर्शन करते हुए ।उप जिलाधिकारी नगीना आशुतोष जैसवाल को प्रार्थना पत्र दिया।

प्रार्थना पत्र में दर्शाया गया कि ग्राम पूरनपुर,(मुर्तजापुर) तहसील नगीना के ग्राम पूरनपुर में गाटा संख्या 46 मौजा मूर्तजापुर परगना बढ़ापुर ग्राम समाज की आराजी है। जिस आराजी पर लगभग 100 वर्ष से अधिक पूर्व मंदिर निर्माण किया गया था। अब इस मंदिर की जमीन पर कुछ दबंग लोग नाजायज कब्जा कर रहे हैं। उन लोगों ने मंदिर की धर्मशाला का छज्जा भी तोड़ दिया। जिसकी शिकायत गांव वालों ने मिलकर थाना बढांपुर को की थी। मगर थाना के द्वारा उन दबंगों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। दिए ज्ञापन में गांव वालों ने बढ़ापुर पुलिस पर आरोप लगाया है कि उल्टा बढ़ापुर पुलिस ने गाँव वालों पर ही कार्रवाई करते हुए। धारा 126, 135 बी एन एस एस के नोटिस गांव वालों को दिये गये इस संबंध में गांव वालों ने उप जिलाधिकारी नगीना को अवगत कराते हुए मांग की है कि पुलिस ने गांव के निर्दोष लोगों सहित पढ़ने वाले बच्चों पर भी कानूनी कार्रवाई को वापस करने की गुहार लगाई साथ ही साथ मंदिर स्कूल की भूमि को खाली कर भूमाफियाओं के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की अपील की। इस मौके पर राजबाला देवी, आशा देवी, रीता देवी, रीना देवी,ओमो देवी,चंद्रपाल सिंह, बबलू सिंह, राजकुमार, योगेंद्र कुमार, सुमित कुमार, सुशील कुमार, निशु कुमार, उमेश कुमार, विक्रम सिंह, राजीव कुमार, उमेश कुमार, धर्मवीर सिंह, दीपक कुमार, अरुण कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

लोनी पुलिस ने पकड़े दो कुख्यात तस्कर, ढाई करोड़ की स्मैक बरामद

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर तस्करों विकास और मोहन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 किलो 638 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपये बताई जा रही है।

इसके साथ ही स्मैक तस्करी में इश्तेमाल की जा रही एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। यह कार्रवाई लोनी पुलिस की सतर्कता और मुश्तैदी का परिणाम है, जिसने नशे के कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

दोनों ने बताया कि वे एक बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हैं और उन्हें सिर्फ स्मैक को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम सौंपा जाता था। बदले में उन्हें प्रति ट्रिप 4 से 5 हजार रुपये मिलते थे। यह जानकारी इस बात की ओर इशारा करती है कि विकास और मोहन इस नेटवर्क के छोटे मोहरे हैं और असली मास्टरमाइंड अभी भी फरार हो सकता है।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने इस बड़ी कामयाबी की जानकारी देते हुए कहा "लोनी पुलिस ने बेहतरीन कार्य करते हुए दो तस्करों को दबोचा है। इनके पास से भारी मात्रा में बरामद स्मैक इस बात का सबूत है कि ये लोग लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय थे।

यह सफलता हमारी नशा विरोधी मुहिम को मजबूत करती है।" उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस अब इस नेटवर्क के पीछे सक्रिय मुख्य सरगनाओं की तलाश में जुट गई है, और जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सावधान : रोडवेज के आधिकारी एमएसटी के नाम कहीं आपकी जेब तो नहीं काट रहे!

एक ही रूट पर अलग-अलग डिपो से एमएसटी बनवाने पर अन्तर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के अधिकारियों की लापरवाही डेली यात्रियों पर भारी पड़ रही है। जिले में एक ही रूट पर अलग-अलग डिपो से बने एमएसटी (मासिक सीजन टिकट) के किराए में मनमानी रकम वसूलने का प्रकरण प्रकाश में आया है। इसके तहत रोडवेज यात्रियों को करीब साढ़े सात सौ रुपए का चपत लगाया गया। इस मामले से विभाग के अधिकारी पुरी तरह अंजान बने हुए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजनौर डिपो में बिजनौर से नजीबाबाद की एमएसटी रु० 1913 की बनाई गई है। जबकि नजीबाबाद डिपो में नजीबाबाद से बिजनौर तक की एमएसटी रू1169 की बनाई गई है। दोनो रूटों की दूरी एक ही होने पर भी एमएसटी के किराये में काफी अन्तर दिखाई दिया।

जबकि यह टिकट एक निर्धारित रूट के लिए होता है, न कि किसी विशेष डिपो के लिए। एमएसटी का किराया मार्ग पर निर्भर करता है, न कि डिपो पर।

यात्री इस अन्तर पर अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे है। यात्रियो ने इस प्रकरण में आला अधिकारियों से अपनी गुहार लगाई है।

जबकि नियम अनुसार अगर आपका एक ही रूट पर अलग-अलग डिपो से एमएसटी बनवाने का सवाल है, तो आपको दोनों डिपो पर एक ही किराया मिलेगा, क्योंकि यह टिकट मार्ग के लिए है, डिपो के लिए नहीं।

किरतपुर में बारिश से गिरा बरगद का पेड़

थाने के बाहर जड़ से उखड़कर गिरा, लोगों ने दौड़कर बचाई जान, कोई हताहत नहीं

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

थाना किरतपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह लगभग 11 बजे एक विशाल बरगद का पेड़ अचानक गिर गया। थाने के गेट के बाहर खड़ा यह पुराना पेड़ भारी बारिश के कारण जड़ से उखड़ गया।

पेड़ गिरते ही वहां मौजूद एम्बुलेंस कर्मचारी, पुलिसकर्मी और अन्य लोग दौड़कर जान बचाने में सफल रहे। सौभाग्य से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। इस घटना का 56 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पेड़ स्लो मोशन में गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही लोग भागते हुए नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पेड़ काफी पुराना और बड़ा था। कल रात से हो रही भारी बारिश के कारण पेड़ की जड़ें कमजोर हो गईं। इसी वजह से वह गिर गया। आमतौर पर इस जगह पर गर्मी के दिनों में काफी लोग छाया में बैठते थे। वे अपने वाहन भी यहां खड़े करते थे। बारिश के कारण आज वहां आवाजाही कम थी। इससे कोई बड़ा हादसा होने से बच गया।

झालू में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त जलभराव से स्कूल बंद

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में पिछले कई घंटों से हो रही लगातार बारिश के कारण नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है।

नगर के काली मंदिर परिसर में पानी भरने से श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नगर के मुख्य मार्गों और गलियों में भी पानी भर गया है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है।

नगर के निकटवर्ती गांव गंगोड़ा मार्ग पर भी जलभराव हो गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन को आज नगर के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित करना पड़ा। वहीं रेलवे क्रॉसिंग अंडरपास 48 संख्या के पास पानी भर जाने से एक किसान का भैसा पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृत पशु संजय पुत्र मंगू कुवर साहब का बताया गया है। लगातार बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अशत-व्यशत हो गया है और लोग परेशान हैं।

उफान पर नाचना नदी, जानलेवा साबित हो रही बच्चों की लापरवाही

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार तेज बारिश के कारण नाचना नदी का जलशतर खतरनाक हद तक बढ़ चुका है। नदी का पानी पुलों और आस-पास के इलाकों में फैल चुका है।

वहीं दूसरी ओर, 8 से 9 साल तक के छोटे-छोटे बच्चे इसी तेज बहाव वाले पानी में नहाते और खेलते नजर आ रहे हैं।

हर रोज देखा जा सकता है कि मासूम बच्चे नदी के पानी में छलांग लगाते हैं, गहराई का अंदाज़ा लगाए बिना मशती करते हैं।

यह मशती किसी भी वक्त जानलेवा साबित हो सकती है। पानी की रफ्तार और गहराई को देखते हुए खतरा साफ नजर आता है, लेकिन कोई रोकने वाला नहीं है।

स्थानीय लोगों के चेहरे पर चिंता साफ झलक रही है। लोगों का कहना है कि कोई हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा? बच्चों को कोई समझाने वाला नहीं है और न ही वहां कोई सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

यह स्थिति चिंताजनक है और तत्काल सावधानी की मांग करती है।

नदियों का बढ़ता जलश्तर सिर्फ एक प्राकृतिक घटना नहीं, बच्चों के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है। ज़रूरत है कि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं ताकि किसी मासूम की जिंदगी पर संकट न आए हर बच्चा अनमोल है।

थोड़ी सी सतर्कता और जागरूकता से बड़ी अनहोनी को टाला जा सकता है। लापरवाही नहीं, समझदारी ही आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

हत्या कर खेत में फेंका शव, आरोपी फरार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गभाना इलाके में एक व्यक्ति हत्या कर शव फेक कर आरोपी फरार हो गए, शव खेत में पड़ा मिला। घटना की जानकारी उस वक्त हुई जब किसान फसल में पानी लगाने पहुंचा। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीण भारी संख्या में इकट्ठा हो गए। उसके गले मे रस्सी बंधी मिली है। चेहरे पर चोट के निशान हैं। सूचना पर इलाका पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शनिवार की देर शाम शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुटी है।

गभाना थाना इलाके के गांव लालपुर नगला बंजारा के रहने वाले अरविंद शर्मा के किसान हैं। शनिवार को अपनी धान की फसल में पानी लगाने गए थे। इसी दौरान खेत मे कुछ कपड़े पड़े दिखाई दिये। इसके पास में गए। जहां एक व्यक्ति का शव पड़ा देख उनके होश उड़ गए। खेत में शव पड़ा होने की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में ग्रामीणों एकत्र हो गए। ग्रामीण ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर आ गई। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के मुताबिक, मृतक व्यक्ति की उम्र करीब 40 साल होगी। उसके गले में रस्सी से फंदा लगा हुआ मिला है और उसके चेहरे पर चोट के निशान हैं। शव के पास में कुछ कपड़े भी पड़े मिले हैं। तलाशी में जेब से गुरुवार की शाम का एक टिकट मिला है। जोकि एटा डिपो की बस का है। टिकिट पर यात्रा दादरी से गभाना तक की लिखी है। दाएं हाथ पर अशोक कुमार गुदा हुआ है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने व्यक्ति की हत्या करने के बाद शव को खेत में फेंका है। आसपास के थानों में उसकी फोटो भेजकर पुलिस शिनाख्त कराने में जुटी है। शव को अगले 72 घंटे के लिए पोस्टमार्टम हाउस की मोर्चरी में रखवा दिया है। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्रेस क्लब का निरविरोध चुनाव संपन्न, नदीम आजाद अध्यक्ष, कामेन्द्र चौधरी महामंत्री चुने गए

नदीम आज़ाद कर्मेंद्र सिंह राजू अग्रवाल

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

प्रेस क्लब झालू के चुनाव में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी डॉ. अख्तर हुसैन अंसारी की देखरेख में सम्पन्न इस चुनाव में नदीम अहमद आजाद को अध्यक्ष, कामेन्द्र चौधरी को महामंत्री और राजू अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया।

मिली जानकारी के अनुसार क्लब में लवलेश कुमार - संरक्षक, डॉ. अमीरुद्दीन अंसारी व मास्टर मो. साजिद - उपाध्यक्ष, डॉ. अख्तर अंसारी - ऑडिट, शोएब अख्तर व मो. बिलाल - कार्यालय सचिव विनीत चौधरी - मीडिया प्रभारी, सदस्यः मोहम्मद अजहर, सलीम अंसारी, मोहम्मद फाजिल, नईम अहमद पीर जी रहे। क्लब कार्यालय पर हुए इस चुनाव में सभी पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ।, जिसके बाद प्रेस क्लब झालू की नई कार्यकारिणी को क्षेत्र के पत्रकारों व गणमान्य व्यक्तियों से बधाइयाँ मिलनी शुरू हो गई हैं।

संरक्षक लवलेश कुमार ने प्रेस क्लब झालू 2025/26 की कार्यकारिणी के लिए सभी सम्मानित साथियों को बधाई !

प्रेस क्लब झालू चुनाव सर्व संपत्ति से कार्यकारिणी का गठन हुआ। उम्मीद है कि प्रेस क्लब झालू के चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पत्रकार समुदाय के हित में काम करेगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का गठन

✷ एनसीआर टुडे. हाथरस ✷

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (उ०प्र०) हाथरस की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। यह घोषणा हाथरस के बुर्ज वाला कुआं स्थित स्पाइसी रेस्टोरेंट में आयोजित एक बैठक के दौरान की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शम्भूनाथ पुरोहित ने की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पत्रकारों के हितों की रक्षा करना और संगठन को मजबूत बनाना था।

नवगठित कार्यकारिणी में पदाधिकारियों में जिला उपाध्यक्ष विष्णु नागर, जिला उपाध्यक्ष शुभम गुप्ता, जिला महामंत्री गोविंद चौहान, जिला मंत्री हरीबाबू सिंह, कोषाध्यक्ष राजू शर्मा, संगठन मंत्री मुकेश शर्मा, प्रचार मंत्री उमाकांत पुंढीर, कार्यकारिणी सदस्य आकाश शर्मा और मुकेश यादव, सदस्य कृष्णकांत गुप्ता और छोटू पुरोहित को मनोनीत किया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शम्भूनाथ पुरोहित ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह संगठन ग्रामीण पत्रकारों के लिए एक मजबूत श्तंभ की तरह काम करता रहेगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ग्रामीण पत्रकार समाज का एक अभिन्न अंग हैं।

महत्वपूर्ण सूचना

समस्त रेल यात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को उनके समक्ष दर्शाये स्टेशनों पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन	समय		प्रभावी तिथियों से
		आगमन	प्रस्थान	
13005 हावड़ा – अमृतसर मेल एक्सप्रेस	भदौरा	05:45	05:47	07.08.25
13006 अमृतसर – हावड़ा मेल एक्सप्रेस	भदौरा	19:00	19:02	07.08.25
12435 जयनगर – आनंद विहार (ट.) गरीबरथ एक्सप्रेस	गहमर	20:14	20:16	08.08.25
12436 आनंद विहार (ट.) – जयनगर गरीबरथ एक्सप्रेस	गहमर	03:30	03:32	10.08.25
15623 जोधपुर – कामाख्या एक्सप्रेस	गहमर	00:35	00:37	14.08.25
15624 कामाख्या – जोधपुर एक्सप्रेस	गहमर	15:08	15:10	09.08.25
20801 इस्लामपुर – नई दिल्ली मगध एक्सप्रेस	गहमर	19:42	19:44	06.08.25
15652 जम्मू तवी – गुवाहाटी लोहित एक्सप्रेस	अक्षयवट राय नगर	02:18	02:20	08.08.25
15933 न्यू तिनसुकिया – अमृतसर एक्सप्रेस	अक्षयवट राय नगर	14:06	14:08	13.08.25
15934 अमृतसर – न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस	अक्षयवट राय नगर	21:33	21:35	09.08.25
14005 सीतामढी – आनंद विहार (ट.) लिच्छवी एक्सप्रेस	अवतार नगर	06:31	06:33	07.08.25
14006 आनंद विहार (ट.) – सीतामढी लिच्छवी एक्सप्रेस	अवतार नगर	14:32	14:34	08.08.25
13019 हावड़ा – काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस	नयागांव	11:33	11:35	08.08.25
13020 काठगोदाम – हावड़ा बाघ एक्सप्रेस	नयागांव	18:18	18:20	08.08.25
14005 सीतामढी – आनंद विहार (ट.) लिच्छवी एक्सप्रेस	नयागांव	06:07	06:09	07.08.25
14006 आनंद विहार (ट.) – सीतामढी लिच्छवी एक्सप्रेस	नयागांव	14:55	14:57	08.08.25
14005 सीतामढी – आनंद विहार (ट.) लिच्छवी एक्सप्रेस	परमानन्दपुर	06:00	06:02	07.08.25
11123 ग्वालियर – बरौनी एक्सप्रेस	सराय	08:28	08:30	08.08.25
11124 बरौनी – ग्वालियर एक्सप्रेस	सराय	22:14	22:16	07.08.25
14523 बरौनी – अंबाला हरिहर एक्सप्रेस	सराय	07:57	07:59	07.08.25
14524 अंबाला – बरौनी हरिहर एक्सप्रेस	सराय	21:35	21:37	10.08.25
14007 रक्सौल – आनंद विहार (ट.) सदभावना एक्सप्रेस	सोनपुर	04:55	04:57	09.08.25
14008 आनंद विहार (ट.) – रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस	सोनपुर	15:31	15:33	08.08.25
14017 रक्सौल – आनंद विहार (ट.) सदभावना एक्सप्रेस	सोनपुर	04:55	04:57	09.08.25
14018 आनंद विहार (ट.) – रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस	सोनपुर	16:08	16:10	14.08.25
14649 जयनगर – अमृतसर सरयू यमुना एक्सप्रेस	सोनपुर	12:55	12:57	08.08.25
14650 अमृतसर – जयनगर सरयू यमुना एक्सप्रेस	सोनपुर	18:05	18:07	08.08.25
14673 जयनगर – अमृतसर शहीद एक्सप्रेस	सोनपुर	12:55	12:57	07.08.25
15231 बरौनी – गोंदिया एक्सप्रेस	सोनपुर	13:10	13:12	07.08.25
15715 किशनगंज – अजमेर गरीब नवाज़ एक्सप्रेस	सोनपुर	15:15	15:17	08.08.25
15716 अजमेर – किशनगंज गरीब नवाज़ एक्सप्रेस	सोनपुर	17:13	17:15	08.08.25
19053 सूरत – मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस	सोनपुर	02:26	02:28	10.08.25
19054 मुजफ्फरपुर – सूरत एक्सप्रेस	सोनपुर	21:15	21:17	10.08.25

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2386/2025
पर हमें फॉलो करें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

राहुल गांधी का चुनावी एटम बॉम्ब

जब से भारत के चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव के पूर्व, चुनाव सूची मे विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य आरंभ किया है, देश के सभी विपक्षी दलों की तोपों के मुंह चुनाव आयोग की तरफ मुड़ गये। कॉंग्रेस के युवा नेता ने तो एक कदम आगे बढ़ 1 अगश्त को चुनाव आयोग पर सरकार के पक्ष मे वोट चोरी का आरोप लगा कर, चुनाव आयोग को खुल्लम खुल्ला धमकाते हुए इस चोरी के पुख्ता प्रमाण, सबूत और साक्ष्य रूपी एटम बॉम्ब फोड़ने की चेतावनी दी। उन्होने वर्तमान मे हिंदुस्तान मे चुनाव आयोग नाम की कोई चीज के अशितत्व को नकारते हुए, आगाह किया कि उनके धमाके के बाद तो चुनाव आयोग के अशितत्व ही नज़र नहीं आयेगा।

राहुल गांधी पूर्व मे भी इस तरह के सनसनी खेज वक्तव्य देते रहे हैं। विदित हो कि 8 नवंबर 2016 मे मोदी सरकार द्वारा लागू की गयी नोट बंदी पर भी राहुल गांधी ने 9 दिसम्बर 2016 मे अपने उत्तेजक वक्तव्य मे, लोक सभा मे बोलने के मौका देने पर भूकंप आने की चेतावनी दी थी और जब वे लोक सभा मे बोले तो, अपने वक्तव्यों के भूकंप से धरती तो दूर, एक तिनका भी नहीं हिला सके।

उनके सनसनी खेज "एटम बॉम्ब" के वक्तव्य पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुटकी लेते हुए सही ही कहा कि यदि राहुल गांधी के पास सौ प्रतिशत पुख्ता सबूतों का "एटम बम" हैं तो उसका परीक्षण तुरंत करिए और सारे प्रमाण देश के सामने रखिये। लेकिन सच्चाई यह हैं कि न तो उनके पास कोई तथ्य हैं, न सबूत। सनसनी फैलाना उनकी पुरानी आदत रही है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराते और धमकाते हुए कुछ उसी लहजे मे कहा जैसे नरेंद्र मोदी ने पाकिश्तानी आतंकवादियों को चेताते हुए कहा था। उन्होने चुनाव आयोग के अधिकारियों से कहा, जो भी ये काम कर रहे है, टॉप से बॉटम तक, याद रखिये हम आपको छोड़ेंगे नहीं! ये देश के खिलाफ साजिश है।

उन्होने कहा कि आप रिटायार्ड हों या कहीं भी हों, हम आपको ढूंढकर निकाल लेंगे! देश की सबसे पुराने दल कॉंग्रेस के नेता द्वारा, देश की संवैधानिक संस्था के अधिकारियों के विरुद्ध इस तरह की भाषा का प्रयोग करना करना उचित है? वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग ने कहा, कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। आयोग के कर्मचारियों को धमकाने वाली ये भाषा निंदनीय है।

आयोग ने कहा कि वह ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयानों को नज़र अंदाज़ करता है और निष्पक्ष व पारदर्शी रूप से अपना काम सतत रूप से करता रहेगा। आयोग ने इस बात का भी उल्लेख किया कि उसके द्वारा 12 जून को भेजा गया मेल और पत्र के प्रतिउत्तर अब तक अप्राप्त है। कॉंग्रेस या राहुल गांधी द्वारा आयोग को कभी कोई शिकायत नहीं की गयी।

तीन-तीन प्रधानमंत्रियों के घर चाँदी की चम्मच ले कर पैदा हुए माननीय राहुल गांधी अब तक भारतीय लोकतन्त्र और भारतीय मतदाताओं की ताकत और मिजाज को शायद नहीं समझ पाये? इसलिये ही राहुल गांधी ने राजधानी दिल्ली मे कॉंग्रेस के वार्षिक कानूनी सम्मेलन को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर 2014 के गुजरात विधान चुनाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि, किसी एक पार्टी (भाजपा) की भारी मतों से विजय का रुझान शक पैदा करता हैं। शायद उन्हे स्मरण नहीं कि आपात काल के बाद जिस कॉंग्रेस की 1977 लोक सभा चुनाव मे सदस्यों की संख्या 350 से घट कर 153 रह गयी थी उन्ही श्रीमती इंद्रा गांधी को 1980 मे मतदाताओं ने भारतीय नागरिकों पर, आपातकाल मे किए गये तानाशाही पूर्ण रवैये को भुला कर उन्हे फिर सत्ता सौंपी।

ठीक इसी तरह भारत के ये मतदाता ही थे जिन्होने, श्रीमती इन्दिरा गांधी की नृशंस हत्या के बाद राजीव गांधी से सहानभूति रखते हुए उनकी सरकार को दो तिहाई से भी अधिक सीटें (404) देकर कॉंग्रेस को सत्ता सौंपी। तब किसी नेता या दल ने कॉंग्रेस की विजय पर कोई शक, संशय या संदेह व्यक्त नहीं किया, आज राहुल गांधी गुजरात और अन्य प्रदेश के उन्ही मतदाताओं पर शक व्यक्त कर सवाल उठाते हैं जो न्यायोचित प्रतीत नहीं होता।

चुनाव आयोग पर मिथ्या आरोप लगाने मे कॉंग्रेस ही नहीं बिहार की राजद के नेता तेजस्वी यादव भी पीछे नहीं रहे। शनिवार, 2 अगश्त को जब चुनाव आयोग ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित की तो उन्होने एक सार्वजनिक कार्यक्रम मे चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट मे अपना नाम न होने का गंभीर आरोप लगाते हुए सवाल किया कि अब वे कैसे चुनाव लड़ेंगे? जब लिस्ट से राजद के मुख्यमंत्री दल के प्रत्याशी का नाम हटाया जा सकता है तो जनसमान्य के साथ क्या होगा? लेकिन कुछ ही समय बाद ही चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव के मिथ्या आरोप के दावे का खंडन करते हुए मतदाता सूची क्रमांक 416 मे उनके नाम होने की पुष्टि की।

तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस मे जिस एपेक संख्या दर्ज़ कर, चुनाव आयोग पर अपना नाम मतदाता सूची मे न होने का आरोप लगाया था उस एपेक संख्या के आधार पर राजनैतिक विरोधियों ने उन पर दो मतपत्र रखने के आरोप लगाते हुए जांच की मांग कर दी और तेजस्वी यादव पर "होम करते हाथ जलना" वाली कहावत को चरितार्थ कर दिया। विदित हो कि दो मतदातापत्र रखना कानूनन अपराध है।

चुनाव के दौरान राजनैतिक दलों द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाना स्वाभाविक हैं लेकिन देश की चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर निरर्थक, बेबुनियाद और मिथ्या आरोप लगाना उचित नहीं। चुनाव आयोग जैसी संस्था की ये कानूनी और नैतिक ज़िम्मेदारी हैं कि वो देश मे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराना सुनिशिचित करे।

इस हेतु चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य करने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सहमति प्रदान कर दी ताकि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न की जा सके। इसलिये ये देश के सभी नागरिकों और राजनैतिक दलों की भी ज़िम्मेदारी है कि वे चुनाव आयोग को इस हेतु अपना सहयोग प्रदान करें।

ब्रिक्स से डोनाल्ड ट्रंप परेशान क्यों

डा. अश्विनी महाजन

हाल ही में 6-7 जुलाई, 2025 को ब्राजील में ब्रिक्स का 17वां शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस शिखर सम्मेलन का महत्व यह है कि इसमें सभी 10 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें चार सदस्य- ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, जिन्होंने पिछले साल रूस में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहली बार सदस्य देश के रूप में भाग लिया था, और इंडोनेशिया, जो 2025 के शुरू में पहली बार सदस्य देश के रूप में शामिल हुआ और ब्रिक्स का सदस्य बनने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई देश बन गया।

अब ब्रिक्स, अपने विशतारित रूप में, ब्रिक्स प्लस के रूप में जाना जाता है, यह शब्द पहली बार 2024 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इश्तेमाल किया गया। क्या ब्रिक्स पश्चिमी आधिपत्य को चुनौती दे रहा है? ब्रिक्स आज दुनिया के ज्ञात विकसित देशों, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रभाव को चुनौती दे रहा है।

अगर हम इस समूह के पहले पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका पर नजर डालें, तो 2010 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इनका योगदान 18 फीसदी था। 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इन देशों की हिस्सेदारी बढक़र 26.5 प्रतिशत हो जाएगी।

अब उन्होंने पश्चिम के आधिपत्य को चुनौती देना शुरू कर दिया है। डी-डॉलराइजेशन, यानी व्यापार और वित्त में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करके, पश्चिमी ब्लॉक के आधिपत्य को तोडऩे की आवाजें मुखर हो रही हैं। इसने वाशतव में अमेरिका के वित्तीय और भू-राजनीतिक आधिपत्य को खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। यह भारत, चीन और रूस को विश्व मंच पर एक मजबूत आवाज देता है।

यह डॉलर और पश्चिमी संस्थानों से दूर वैश्विक आर्थिक पुनर्संरेखण को बढ़ावा देता है। यह एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का प्रतीक है, जिसका ट्रम्प समर्थन नहीं करते। हाल ही में ब्रिक्स के विश्तार के साथ, जिसमें 5 नए सदस्य शामिल हुए हैं, पश्चिमी ब्लॉक, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका की चिंताएं बढ़ गई हैं। ब्रिक्स के प्रति ट्रंप का विरोध भू-राजनीतिक और आर्थिक, दोनों ही चिंताओं से उपजा है, क्योंकि यह समूह, खासकर अपने हालिया विश्तार के साथ, वैश्विक मामलों में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देता है।

इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं : डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स से चिढ़ का पहला और मुख्य कारण यह है कि यह अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देता है। ब्रिक्स देश व्यापार और वित्त में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने पर खुलकर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप हमेशा 'अमेरिका फस्र्ट' पर जोर देते रहे हैं, और देशों के डॉलर से दूर जाने का विचार निश्चित रूप से अमेरिकी आर्थिक प्रभाव और प्रतिबंधों की शक्ति को कमजोर करने वाला है।

दूसरा बिंदु जो डोनाल्ड ट्रंप को परेशान करता है, वह है ब्रिक्स का पश्चिम के प्रति भू-राजनीतिक विरोध। ब्रिक्स खुद को जी-7, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी पश्चिमी संस्थाओं के प्रतिकार के रूप में स्थापित कर रहा है। ब्रिक्स जैसे नए और शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय गठबंधन निश्चित रूप से अमेरिकी वर्चस्व के लिए एक चुनौती पेश करते हैं। तीसरा, ब्रिक्स द्वारा चीन को वैश्विक शतर पर अमेरिका को चुनौती देने के लिए एक नेतृत्वकारी मंच प्रदान करना उन्हें बेहद परेशान करता है।

वह ब्रिक्स को बहुधुरवीयता की आड़ में चीन के वैश्विक विशतार के एक माध्यम के रूप में भी देखते हैं। चौथा, सऊदी अरब और ईरान के ब्रिक्स में शामिल होने के साथ, इस समूह का अब वैश्विक ऊर्जा (तेल) बाजारों पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो जाएगा। गैर-डॉलर मुद्राओं (जैसे युआन या ब्रिक्स मुद्रा) में तेल व्यापार की संभावना है, जो पेट्रोडॉलर प्रणाली को कमजोर करेगा। पांचवां, ट्रम्प ब्रिक्स के विश्तार को इस बात का संकेत मानते हैं कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पश्चिमी प्रभाव से दूर जा रहा है और अपना स्वतंत्र समूह बना रहा है। छठा, अमेरिका को छोडक़र किसी भी गैर-पश्चिमी समूह के उदय को व्यक्तिगत और राष्ट्रीय अपमान के रूप में देखा जाता है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, जो अमेरिका की भागीदारी के बिना विश्व व्यवस्था के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रश्तुत करते हैं, उन्हें 'अमेरिकी प्रतिष्ठा' के लिए खतरा माना जाता है- जिसे ट्रंप बहुत महत्व देते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ब्रिक्स के घटनाक्रम पर खुलकर अपनी नाखुशी जताई है और ब्रिक्स देशों पर ज़्यादा टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है। उन्होंने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पहले ही कर दी है।

ब्रिक्स में भारत का व्यावहारिक दृष्टिकोण : हालांकि, भारत भी ब्रिक्स का सदस्य है, लेकिन उसका रुख ज़्यादा सूक्ष्म, संतुलित और व्यावहारिक है जिससे वह अन्य ब्रिक्स देशों से अलग दिखाई देता है।

भारत का रुख स्पष्ट रूप से उसके राष्ट्रीय हितों, रणनीतिक स्वायत्तता और बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं से प्रभावित है। हालांकि, भारत रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अन्य आर्थिक समझौतों को बढ़ावा देकर और इस तरह डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करके अपने आर्थिक हितों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

भारत डॉलर विरोधी नहीं है, लेकिन वैश्विक वित्तीय प्रणाली में विविधता लाने, एकल मुद्रा पर निर्भरता कम करने और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास के तहत, वह डॉलर पर निर्भरता कम करने का समर्थन करता है। यह रुपए के मूल्य को स्थिर करने और अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अधिक संतुलित बनाने के भारत के प्रयासों से भी प्रेरित है।

भारत ने डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने के लिए रूस, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों के साथ भारतीय रुपए में द्विपक्षीय व्यापार शुरू किया है। अब तक 20 से ज़्यादा देशों ने घरेलू मुद्राओं में व्यापार निपटान को सुगम बनाने के लिए वोस्ट्रो खाते खोले हैं।

भारत ब्रिक्स देशों के भीतर वैकल्पिक भुगतान तंत्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करता है, जैसे स्थानीय मुद्राओं का उपयोग या ब्रिक्स मुद्रा पर चर्चा, लेकिन उनकी व्यावहारिकता को लेकर सजग है। भारत वैश्विक व्यापार और वित्त में डॉलर के प्रभुत्व को समझता है और उसने इसके पूर्ण प्रतिस्थापन (या दूसरे शब्दों में, डॉलर-विमुद्रीकरण) का आह्वान नहीं किया है।

इसके बजाय, वह कई आरक्षित मुद्राओं (जैसे यूरो, युआन और संभवतः रुपया) के सह-अशितत्व का पक्षधर है। ब्रिक्स का सदस्य होने के बावजूद, भारत इस समूह को अमेरिका-विरोधी समूह के रूप में नहीं देखता। वह ब्रिक्स समूह को वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए एक मंच के रूप में देखता है, न कि टकराव के लिए। भारत एक ऐसे विश्व का समर्थन करता है जहां कई शक्ति केंद्र हों, जहां वैश्विक दक्षिण की आवाजों का बेहतर प्रतिनिधित्व हो।

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार लाने की मांग करता रहा है, जिनके बारे में उसका मानना है कि ये पश्चिमी प्रभुत्व वाली हैं और वर्तमान वैश्विक वाशतविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करतीं। इसी संदर्भ में, भारत की जी-20 अध्यक्षता में, वैश्विक वित्तीय संस्थानों में सुधारों पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया था।

इस समूह के सह-संचालक लैरी समर्स और एनके सिंह थे। अपने उद्देश्यों से प्रेरित होकर, भारत ब्रिक्स का उपयोग प्रौद्योगिकी, वित्त, बुनियादी ढांचे और सतत विकास में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए करता है, न कि अमेरिका का सीधे विरोध करने के लिए।

यदि अमेरिका ब्रिक्स में चीनी प्रभुत्व से चिढ़ता है, तो भारत भी ब्रिक्स में चीन के प्रभाव से सावधान रहता है और ऐसे किसी भी समूह व्यवहार को अस्वीकार करता है जो उसकी संप्रभुता को कमजोर करता हो या चीनी हितों के बहुत करीब हो।

(लेखक कालेज के पूर्व एसोशिएट प्रोफेसर है)

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है।

मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था" तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है।

इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया।

अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है।

सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है।

ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है।

इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वशतुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का राश्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं।

स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली।

आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है।

आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प

्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।

जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी।

हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें।

तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

चुनाव आयोग पर हमला गंभीर रूप ले चुका है

राजेश कुमार पासी

राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेताओं का चुनाव आयोग पर हमला अब बहुत गंभीर हो चुका है क्योंकि अब ये लोकतंत्र और संविधान पर सवाल खड़े करने तक पहुँच गया है। कुछ लोग कह सकते हैं कि विपक्ष तो संविधान और लोकतंत्र बचाने की जंग लड़ रहा है तो फिर चुनाव आयोग के खिलाफ उसकी मुहिम लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा कैसे हो सकती है।

वाशतव में संविधान और लोकतंत्र तब तक सुरक्षित हैं तब तक कि जनता का उनमें विश्वास है। जिस दिन देश की जनता का विश्वास लोकतंत्र और संविधान से उठ गया, उस दिन से इनकी समाप्ति का वक्त शुरू हो जाएगा। भारत की सारी व्यवस्था संविधान से उत्पन्न हुई है. अगर संविधान के ऊपर से विश्वास खत्म हो गया तो व्यवस्था से भी जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा।

चुनाव आयोग के पास वो काम है जो लोकतंत्र का आधार है. अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता ही खत्म हो गई तो फिर लोकतंत्र कैसे बच सकता है।

लोकतंत्र का मतलब ही है जनता द्वारा चुनी गई जनता की सरकार लेकिन जब चुनाव आयोग बेईमानी करके सरकार बनाने लगेगा तो फिर सरकार जनता द्वारा चुनी हुई कैसे मानी जायेगी।

जो सरकार जनता द्वारा नहीं चुनी गई होगी, वो जनता द्वारा और जनता के लिए बनी सरकार कैसे मानी जायेगी। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट है लेकिन जब उसकी भी बात नहीं सुनी जाएगी तो संविधान का संरक्षण कौन करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलने के बाद विपक्ष को लग रहा था कि इस बार उनके पास पूर्ण बहुमत नहीं है, वो सहयोगी दलों पर निर्भर हैं इसलिए उनकी सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी।

सरकार ने जिस तरह से अपने कार्यकाल का एक साल पूरा किया है और मोदी जी आत्मविश्वास के साथ सभी को साथ लेकर चल रहे हैं, उससे विपक्ष को अहसास हो गया है कि ये सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने वाली है। इस अहसास ने विपक्ष को हताशा और निराशा से भर दिया है जिसके कारण वो कुंठित हो गया है।

विपक्ष को अहसास हो चला है कि उसके लिए केंद्र की सत्ता पाना बहुत मुश्किल होने वाला है। आने वाले कौन से चुनाव में उसे सत्ता मिलेगी, यह भी उसे पता नहीं है। अपनी कुंठा में राहुल गांधी चुनाव आयोग पर उल्टे-सीधे आरोप लगाने में सारी हदें पार करते जा रहे हैं।

वो सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए चुनाव चोरी करने का आरोप लगा रहे हैं। अब तो उनकी हालत यह हो गई है कि उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में भी धांधली का आरोप लगा दिया है। हैरानी की बात है कि उनकी सरकार के अधीन होने वाले चुनाव में चुनाव आयोग कैसे धांधली कर गया। दूसरी बात यह है कि उस चुनाव आयोग का चयन तो यूपीए सरकार द्वारा ही किया गया था तो वो कैसे भाजपा के साथ चला गया। राहुल गांधी चुनाव आयोग को सार्वजनिक रूप से धमकी देने लगे हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो सबका हिसाब होगा। अगर कोई रिटायर भी हो गया होगा तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी।

कांग्रेस के दूसरे नेता भी राहुल गांधी की शह पर चुनाव आयोग के खिलाफ उल्टे-सीधे बयान देने लगे हैं। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कहा है कि चुनाव आयोग अपनी शक्तियों को दुरुपयोग कर रहा है और इसका मुकाबला कानूनी तरीके से किया जाएगा। सवाल यह है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम उसका संवैधानिक कर्तव्य है और वो अपना कर्तव्य पूरा कर रहा है तो विपक्ष क्यों परेशान है।

अगर चुनाव आयोग के काम में कुछ गलत है तो उसे इसकी शिकायत करनी चाहिए लेकिन चुनाव आयोग ने कहा है कि उसने मतदाता सूची का जो प्रारूप तैयार किया है उस पर अभी तक उसे किसी भी राजनीतिक दल की आपत्ति नहीं मिली है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष सुप्रीम कोर्ट भी जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई है तो विपक्ष क्यों बवाल कर रहा है।

दूसरी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट जब मामले की सुनवाई कर रहा है तो उसे विपक्ष के झूठे आरोपों का संज्ञान लेना चाहिए लेकिन वो ऐसा क्यों नहीं कर रहा है।

राहुल गांधी ने बयान दिया है कि उनके पास एटम बम है, जब वो इसे फोड़ेंगे तो चुनाव आयोग दिखाई नहीं देगा। उनके कहने का मतलब है कि उनके पास चुनाव आयोग की धांधली के पक्के सबूत हैं जिन्हें वो जनता के सामने रखेंगे तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा है कि वो जल्दी से जल्दी यह एटम बम फोड़ दें और सारे सबूत जनता के सामने रख दें। सवाल यह है कि अगर राहुल गांधी के पास कोई सबूत है तो वो उसे सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं पेश कर देते या संसद के पटल पर क्यों नहीं रखते।

वाशतव में राहुल गांधी को सनसनीखेज बयान देने का शौक है. कभी वो भूकंप लाने की बात करते हैं, कभी सुनामी ले आते हैं और अब एटम बम फोड़ने वाले हैं हालांकि उनकी हालत खोदा पहाड़, निकली चुहिया से भी ज्यादा बुरी है।

झूठ बोलना राहुल की फितरत बन गई है और इसके लिए वो कई बार सुप्रीम कोर्ट की डांट खा चुके हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बयान दिया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा कर ली है और 20 भारतीय जवानों को शहीद कर दिया है।

उन्होंने कहा कि चीन की सेना भारतीय जवानों को पीट रही है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को फटकार लगाते हुए कहा है कि आपको कैसे पता कि भारत की जमीन कब्जा हो गई है. क्या आपके पास कोई दशतावेज है? और दो देशों की लड़ाई में दोनों पक्षों का नुकसान होता है तो आप कैसे बयान दे रहे हैं।

राहुल को झाड़ लगाते हुए माननीय अदालत ने कहा है कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बात नहीं कर सकता लेकिन राहुल गांधी इतने ज्यादा कुंठित हैं कि उन पर कोई असर नहीं होता। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी वो सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं कि भारत के कितने जहाज पाकिश्तान ने गिराए हैं।

सवाल यह है कि 1962, 1965 और 1971 की जंग में भारत का कितना नुकसान हुआ था, क्या तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मीडिया या संसद को बताया था। राहुल गांधी को इतनी छोटी सी बात समझ नहीं आती है लेकिन एक पूरा इको सिस्टम उन्हें भारत पर प्रधानमंत्री बनाकर थोपना चाहता है।

सवाल यह है कि विपक्ष को चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सेना और मीडिया पर भरोसा नहीं है लेकिन उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी है। वो समझ नहीं पा रहा है कि भारत में लोकतंत्र और संविधान पर सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का रवैया ही बन गया है।

2014 के चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर राहुल गांधी ने बता दिया है कि उन्हें भाजपा से परेशानी नहीं है बल्कि लोकतंत्र और संविधान से ही परेशानी है। जब अपनी ही सरकार के शासन में हुए चुनाव में भी उन्हें धांधली दिखाई देने लगी है तो इसका स्पष्ट संकेत है कि उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों में बिल्कुल भरोसा नहीं है।

वो मोदी को एक प्रधानमंत्री के रूप में अभी तक स्वीकार नहीं कर पाए हैं। वो गांधी परिवार का वारिस होने के कारण अपने अलावा किसी और को प्रधानमंत्री बनते देखना बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये वो सरकार और देश के विरोध में अंतर को भी भूल गए हैं। जिस संविधान को सिर पर उठाकर घूमते हैं, वाशतव में उनके मन में उसके प्रति नफरत भरी हुई है।

इसलिए वो संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं। उन्हें कोई समझाने वाला नहीं है कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता खत्म करके संविधान को बचाया नहीं जा सकता।

उन्होंने स्वर्गीय अरुण जेटली जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान उन्हें किसानों का समर्थन करने पर धमकी दी थी जबकि जेटली जी डेढ़ साल पहले ही दुनिया से विदा हो चुके थे।

मतलब साफ है कि राहुल गांधी ने उन पर झूठा आरोप इसलिए लगाया था क्योंकि अब वो सफाई नहीं दे सकते थे लेकिन उन्हें यह पता नहीं था कि किसान आंदोलन शुरू होने से बहुत पहले उनकी मौत हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मरती हुई अर्थव्यवस्था बताया तो राहुल गांधी ने उनका समर्थन कर दिया।

मेरा मानना है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष कुंठाग्रश्त होकर देशविरोधी कामों में जुट गया है। अगर देश की किसी भी संस्था से उसे शिकायत है तो उसे संवैधानिक तरीके से लड़ना चाहिए। देश की आधी से ज्यादा जनता विपक्ष की समर्थक है और उसकी बातों पर भरोसा करती है।

अगर इस तरीके से विपक्ष भाजपा से लड़ेगा तो उसके समर्थकों की संख्या कम होती जाएगी। दूसरी बात यह है कि विपक्ष के गैर जिम्मेदाराना रवैये से उसके समर्थकों में लोकतंत्र, संविधान और व्यवस्था के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जाएगा। विपक्ष को चुनाव आयोग के खिलाफ अपने अभियान पर गंभीरता पूर्वक विचार करना चाहिए क्योंकि चुनाव आयोग पर उसके हमले का गंभीर परिणाम निकल सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

अवध बस स्टेशन पर डग्गामारी के विरोध में रोडवेजकर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में अवध बस स्टेशन पर डग्गामारी के विरोध में मंगलवार को रोडवेजकर्मियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बसों का संचालन रोक दिया गया। इससे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना

करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे चालक धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यदि परिवहन निगम के तय मानक के अनुसार हम लोग पैसे जमा नहीं कर पाते हैं, तो हमारी सैलरी से तीन हजार रुपये काट लिए जाते हैं। दूसरी तरफ रूट पर डग्गामार वाहन बेधड़क दौड़ रहे हैं। उन पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही है। निर्धारित पैसा कमाकर जमा करने के लिए सिर्फ हम लोगों पर दबाव बनाया जाता है।

बिजली निजीकरण: उत्पीड़न पर बारिश के बीच बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सोमवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया। बिजली कर्मियों पर हुई उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की निंदा करते हुए आक्रोश जाताया। संकल्प लिया कि निजीकरण प्रस्ताव रद्द होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि निजीकरण का विरोध करने पर बिजली कर्मियों के खिलाफ लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। 55 साल की उम्र का हवाला देते हुए संविदाकर्मियों को हटाया जा रहा है। बिजलीकर्मियों को दो से 400 किमी दूर तबादले किए जा रहे हैं।

फेसियल अटेंडेंस के नाम पर जून और जुलाई माह का वेतन और मानदेय अभी तक नहीं दिया गया है। उत्पीड़न के नाम पर विजिलेंस की जांच कराकर शीर्ष पदाधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने मांग की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई तत्काल रद्द की जाए।

इंटरव्यू किसी का... रख लिया किसी को, मामले में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीएमई) का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि अपर निदेशक और संयुक्त निदेशक की नियुक्ति किस नियमावली के तहत की गई है। इन दोनों पदों को अभी तक क्यों नहीं भरा गया?

महानिदेशालय में अपर निदेशक और संयुक्त निदेशक का पद लंबे समय से खाली रहा। 30 मई को संयुक्त निदेशक पद पर डॉ. गुलजारी लाल निगम और डॉ. सचिन कुमार की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया। इन दोनों ने संयुक्त निदेशक पद के लिए आवेदन ही नहीं किया था। डॉ. गुलजारी लाल ने अपर निदेशक पद के लिए आवेदन किया था।

जिसने आवेदन ही नहीं किया उनको नियुक्त कर दिया गया– इस प्रकरण को लेकर डॉ. रितेश कुमार राय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। राज्य सरकार और चिकित्सा शिक्षा विभाग को वादी बनाया। अपर निदेशक और संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति को नियमों के विपरीत बताते हुए न्याय की गुहार लगाई। बताया कि संयुक्त निदेशक पद के लिए उन्होंने भी आवेदन किया था।

योगी आदित्यनाथ बोले-कांग्रेस-सपा देती हैं गुंडों को पनाह, भाजपा कर रही नए भारत का निर्माण

मेरठ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और सपा गुंडों को पनाह देती है। समाज को जाति, क्षेत्र और भाषा में भी बांट रही है। ये काम सपा और कांग्रेसियों को ही मुबारक। भाजपा विकास करती है। सरकार जीरो टोलरेंस नीति से कार्य कर रही है। यही अंतर है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को मोहिउद्दीनपुर स्थित न्यू इंटीग्रेटेड टाउनशिप का भूमि-पूजन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना था कि देश में इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित की जाए। इसी को आगे बढ़ाया जा रहा है। एनसीआर की यह दूसरी इंटीग्रेटेड टाउनशिप है। न्यू टाउनशिप स्कीम के तहत इसे लांच किया जा रहा है, जो 750 एकड़ से अधिक भूभाग में विकसित हो रही है। इस टाउनशिप में औद्योगिक, कॉमर्शियल और आवासीय कांप्लेक्स होंगे। औद्योगिक इकाइयां लगेंगी। एक नया मेरठ देखने को मिलेगा। सस्ता और टिकाऊ मकान इस स्कीम के जरिये मिलेगा। यह टाउनशिप लगभग ढाई

हजार करोड़ की है। लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा से पूछना चाहता हूं, जो देश की सांवैधानिक संस्थाओं पर उंगली उठा रहे हैं। जब इन्होंने आतंकी घटनाओं पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। याद कीजिए, मालेगांव की घटना को जब इन्होंने निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर देश के शीर्ष राष्ट्रवादी नेतृत्व को फंसाने की चेष्टा की थी। कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए मालेगांव मामले में अपने पाप के लिए कब माफी मांगेगी। कांग्रेस आंतकवाद के प्रति नरम दिल रखती है। उनके बचाव की रणनीति तैयार करती है।

सपा सरकार ने सोतीगंज में तैयार किया वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया– उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने सोतीगंज में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया को तैयार किया, उसे बचाया। ये उनकी पहचान थी। ये गुंडों को पनपाते हैं। उनको आश्रय देते हैं। सोतीगंज के चोरों को पनाह देकर बचाते हैं। मेरठ की पहचान पहले सोतीगंज के चोरी के बाजार से होती थी। आज सोतीगंज अपने आकाओं के साथ ही सोता चला गया। आज सोतीगंज समाप्त। भाजपा की पहचान विकास की है। अब मेरठ की पहचान हो रही है रैपिड रेल के साथ, 12 लेन के हाईवे के साथ, एक्सप्रेसवे के साथ। रैपिड रेल को मेरठ में मेट्रो के साथ भी जोड़ने जा रहे हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी मेजर ध्यानचंद के नाम पर इसी मेरठ में स्थापित हो रही है। मेरठ की पहचान बन रही है वन डिस्ट्रिक्ट वन वन प्रोडेक्ट में स्पोर्ट्स आइटम के लिए। देश और दुनिया में जो भी खिलाड़ी खेलता है। उसके पास खेल का जो भी सामान होगा उसमें मेरठ का जुड़ाव जरूर होगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे को हरिद्वार से जोड़ने के लिए चल रहा है सर्वे– मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरठ की नई पहचान हो आगे बढ़ाने के लिए मेरठ से प्रयागराज के बीच देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो रहा है। इसी साल के अंत तक गंगा एक्सप्रेस वे का लोकार्पण भी करा देंगे। यहां से लखनऊ की दूरी मात्र छह घंटे घंटे के अंदर पूरी करेंगे।

डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के कर रही विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये मेरठ है, क्रांतिधरा है। बाबा औघड़नाथ की कृपा से 1857 में आजादी का पहला बिगुल धनसिंह कोतवाल के नेतृत्व में फूंका गया था। उन लोगों को याद करिये जो समाज के दुश्मन हैं। जाति के नाम पर समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। विकास इसलिए हो रहा है कि क्योंकि डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के सबका साथ-सबका विकास के साथ आगे बढ़ा रही है।

स्वदेशी अपनाएं, देश को आगे बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दो अगस्त को आह्वान किया है कि स्वदेशी को अपनाना होगा। वर्ष 2017 से पहले जब उपहार दिए जाते थे, तो चीनी सामानों के देते थे। आज वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट का उपहार दिया जाता है। जब भारतीय उत्पादों को उपहार में देंगे तो वो पैसा भारतीयों को ही जाएगा, देश के विकास में पैसा खर्च होगा। लेकिन अगर कहीं और बना सामान खरीदेंगे तो वह पैसा चीन या किसी अन्य देश में जाएगा, तो वह पैसा वापस आंतकवादियों के हाथ लगकर फिर विस्फोट और भारत विरोधी गतिविधियों में खर्च होगा।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए तीन दिन फ्री बस सेवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन नौ अगस्त को है। सरकार ने तय किया है कि 8, 9 और 10 अगस्त को महिलाओं के लिए बस सेवाएं फ्री रहेंगी। बिजनौर से बलिया तक, सहारनपुर से लेकर सोनभद्र तक, नोएडा से लेकर चित्रकूट तक जहां भी जो महिला यात्रा करना चाहेगी, वह फ्री होगा।

दंगों की आग लगाकर विकास को ग्रहण लगाना चाहते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरठ दो से तीन एक्सप्रेसवे के साथ जुड़ चुका है। आठ साल पहले यहां विकास नहीं होता था क्योंकि वे लोग दंगों की आग लगाकर विकास को ग्रहण लगाना चाहते हैं। ये वही लोग हैं जो खुद और अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाते थे और गरीबों की सुविधा मिलने पर इनकों बुरा लगता था। अब डबल इंजन की सरकार विकास की रफ्तार को उसी तर्ज पर आगे बढ़ा रही है। ये नए भारत का नया यूपी है। यहां माफिया के लिए कोई जगह नहीं है।

दूध नहीं, ये है जहर: घर में चल रहा था काला कारोबार

फिरोजाबाद, एजेंसी। फिरोजाबाद में पिछले बुधवार को नगला खरगा गांव में पकड़े गए नकली दूध के सभी सात नमूने जांच में अखाद्य घोषित कर दिए गए हैं। रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि इन नमूनों में रिफाइंड तेल, डिटर्जेंट, वैक्स और कार्बोनेट जैसे घातक रसायन मिलाए गए थे, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मिलावटी दूध जानलेवा साबित हो सकता है। खाद्य विभाग के सहायक आयुक्त चंदन पांडेय के नेतृत्व में पिछले बुधवार को सुबह 4 बजे अजय और विजय नामक सगे भाइयों के घर पर छापा मारा गया था। दोनों को मौके पर ही नकली दूध बनाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस छापेमारी के दौरान लिए गए सात खाद्य उत्पादों के नमूनों की जांच अब पूरी हो चुकी है।

आरोपी अभी भी फरार, रिपोर्ट बदलवाने की भी हुई थी कोशिश– दूध के नाम पर ज़हर बेचने वाले अजय और विजय कार्रवाई के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे और अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। उनकी गिरफ्तारी न होने से जहरीले दूध की सप्लाई चेन का खुलासा बाधित हो रहा है। विभाग के अनुसार, दोनों मिलावटखोरों ने खाद्य विभाग की प्रयोगशालाओं में अपने पक्ष में रिपोर्ट बदलवाने का प्रयास भी किया था, लेकिन अधिकारियों की सख्ती के चलते वे सफल नहीं हो सके। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अपने विशेषाधिकार का प्रयोग कर प्रयोगशाला जांच में तेज़ी लाने का आदेश दिया था। आगरा मंडल के सहायक आयुक्त (खाद्य) सैयद शाहनवाज़ हैदर आबिदी की देखरेख में हुई जांच में सभी नमूने बेहद खतरनाक पाए गए। सहायक आयुक्त (खाद्य) चंदन पांडेय ने बताया कि रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यदि यह मुकदमा खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 59(2) या 59(3) के तहत दर्ज होता है, तो दोषियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला: दो से तीन हजार स्कूलों का विलय होगा निरस्त

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा संख्या वाले स्कूलों का विलय (पेयरिंग) निरस्त करने की प्रक्रिया तेज जो गई है। इस नियम के तहत कई जिलों में काफी संख्या में विद्यालयों का विलय निरस्त किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार लगभग दो से तीन हजार विद्यालयों का विलय निरस्त होगा। इसमें सर्वाधिक संख्या एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले विद्यालयों की है।

प्रदेश में पिछले एक महीने से ज्यादा से परिषदीय विद्यालयों के विलय की प्रक्रिया चल रही है। इसमें स्थानीय अधिकारियों की ओर से काफी मनमानी के मामले सामने आए। इसकी शिकायत व विरोध-प्रदर्शन बढ़ने पर विभाग ने एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा नामांकन वाले विद्यालयों का विलय निरस्त करने के निर्देश दिए। इसकी प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करने को भी कहा गया है। इसके बाद जब जिलों में कार्यवाही शुरू हुई तो पता चला कि विद्यालयों के विलय में किस तरह मनमानी की गई है।

इन जिलों में ज्यादा मामले– अब तक मिली जानकारी के अनुसार ललितपुर में 12, गोरखपुर में 31, चित्रकूट में 40, अम्बेडकरनगर में 154 विद्यालयों का विलय निरस्त किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक हर जिले में लगभग 20-25 व कुछ जगह पर और ज्यादा संख्या में विद्यालयों का विलय निरस्त किया जा रहा है। ऐसे में यह संख्या प्रदेश भर में दो से तीन हजार तक होने की संभावना है।

वहीं रविवार को समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मानक के अनुरूप ही स्कूलों की पेयरिंग करने और इसमें अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद विभाग की ओर से इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए सोमवार को निदेशालय स्तर पर समीक्षा भी की गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही इसे लेकर कार्यवाही होगी।

तबादला आवेदन के सत्यापन आज से– परिषदीय विद्यालयों में चल रही तबादला व समायोजन प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन सोमवार देर रात समाप्त हो जाएंगे। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि आए हुए आवेदनों का बीएसए द्वारा ऑनलाइन सत्यापन 5 व 6 अगस्त को किया जाएगा। जबकि आठ अगस्त को तबादला आदेश जारी किए जाएंगे। हालांकि विलय वाले स्कूलों को लेकर विभाग की ओर से अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

पान मसाला में करोड़ों की टैक्स चोरी: दो नामचीन कंपनी शामिल, बड़े-बड़े एक्टर करते प्रचार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में शासन के निर्देश पर दो बड़े ब्रांड के पान मसाला इकाइयों की जांच में करोड़ों की टैक्स चोरी और बिना ई-वे बिल के सप्लाई का खुलासा हुआ है। ये कार्रवाई नोएडा में विमल पान मसाला पर की गई। वहीं कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के बिना ई वे बिल के चार ट्रक सीज किए गए। विमल पान मसाला ने 2.5 करोड़ रुपये जमा किए हैं। वहीं शिखर मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख सचिव राज्यकर एम. देवराज को दो ब्रांड्स में टैक्स चोरी की गोपनीय सूचना

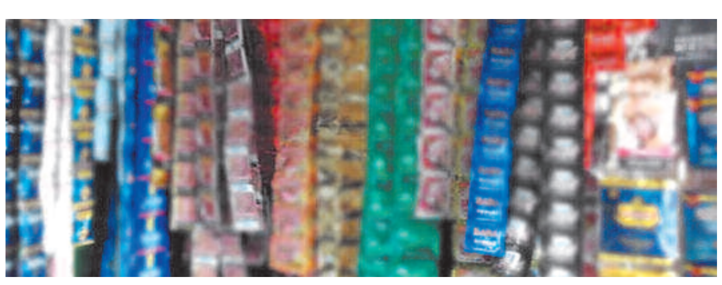

मिली थी। नोएडा में विमल पान मसाला की इकाइयों में जांच के लिए उन्होंने बाहरी जिले की टीमों को भेज कर जांच कराई। स्टाक और बिक्री में अंतर पर जेवी इंडस्ट्रीज ने 2.5 करोड़ रुपये जमा कराए। साथ ही शासन स्तर से मामले की जांच के निर्देश दिए। इसी तरह वी वन ब्रांड की जांच में 50 लाख रुपये जमा कराए गए।

विभागीय संलिप्तता मिलने पर की जाएगी कार्रवाई – प्रमुख सचिव, राज्य कर एम. देवराज ने बताया कि गोपनीय सूचना पर नोएडा स्थित विमल पान मसाला इकाई की जांच कराई गई थी, जिसमें फर्म ने 2.5 करोड़ रुपये जमा किए। इसी तरह कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के चार ट्रक पकड़े गए, जिसमें बिना प्रपत्रों के ही माल का परिवहन किया जा रहा था। तीनों ही मामलों में जांच के निर्देश दिए गए हैं और विभागीय संलिप्तता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इन जिलों में राज्य कर की कमान आईएएस अधिकारियों के हाथ

दूसरी तरफ कानपुर में खुफिया सूचना के आधार पर डीएम से शिखर पान मसाला के तीन ट्रक पकड़वाए। तीनों ही ट्रक ई वे बिल के बिना माल ले जा रहे थे। इस प्रकरण की जांच चल ही रही थी कि बाराबंकी में भी शिखर का एक ट्रक एसडीएम ने पकड़ा। इसमें भी टैक्स चोरी का माल पाया गया। खास बात ये है कि तीनों ही कार्रवाई से विभागीय अधिकारियों को दूर रखा गया। इनमें भी नोएडा और कानपुर में राज्य कर की कमान आईएएस अधिकारियों के हाथ में है।

आजम के मामले में ट्रायल कोर्ट के अंतिम फैसले पर रोक बढ़ी, इलाहाबाद हाईकोर्ट में 28 अगस्त को सुनवाई

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा नेता आजम खां पर 2016 में बलपूर्वक बेदखली मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे के अंतिम फैसले पर लगी रोक 28 अगस्त तक बढ़ा दी है। साथ ही संशोधन अर्जी स्वीकार करते हुए याचिका से मुकदमा रद्द करने की प्रार्थना को हटा दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने दिया है।

ट्रायल कोर्ट में याचियों ने मांग की थी कि मुख्य गवाहों, विशेष रूप से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर अहमद फारूकी की दोबारा गवाही कराई जाए। साथ ही महत्वपूर्ण वीडियो फुटेज को रिकॉर्ड में लाया जाए जो उनकी घटनास्थल पर अनुपस्थिति साबित कर सकता है। ट्रायल कोर्ट ने इस मांग को 30 मई 2025 के आदेश से खारिज कर दी थी। इसे आजम खां ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। आजम खां की याचिका को सह-आरोपियों की लंबित याचिका के साथ जोड़ दिया गया है। इस मामले में अब 28 अगस्त को सुनवाई होगी।

रामपुर में 2019 में आजम खां पर दर्ज हुआ था मुकदमा– रामपुर के कोतवाली थाने में 2016 में यतीमखाना को ढहाने के मामले में 2019 में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आजम खां और अन्य पर जबरन बेदखली, डकैती, गृह में अनधिकृत प्रवेश और आपराधिक षड्यंत्र जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। एमपी/एमएलए कोर्ट में यह मुकदमा चल रहा है।

अमेरिकी टैरिफ से कांच उद्योग को बड़ा झटका, 400 करोड़ के ऑर्डर रुके; कारोबारियों के छूटे पसीने

फिरोजाबाद , एजेंसी। फिरोजाबाद के कांच हस्तशिल्प उद्योग पर टैरिफ का असर दिखने लगा है। अमेरिका और उससे जुड़े देशों के आयातकों ने 300 करोड़ रुपये से अधिक के नए ऑर्डर रोक दिए हैं, जबकि 100 करोड़ का माल रास्ते में ही अटक गया है। इससे कारोबारियों में भारी चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूके (यूनाइटेड किंगडम) की तर्ज पर व्यापारिक समझौते की मांग की है।

अमेरिका ने 1 अगस्त से भारतीय सामान पर 25 फीसदी अतिरिक्त आयात शुल्क लगा दिया है। इसका सीधा असर फिरोजाबाद के ग्लास-वुड आइटम, एल्युमिनियम, पीतल और चांदी से जड़े कांच के सामानों पर पड़ा है। अमेरिकी आयातकों ने अक्टूबर से दिसंबर तक के सभी ऑर्डर स्थगित कर दिए हैं जिससे निर्यातकों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

रास्ते में 100 करोड़ का माल फंसा– कई निर्यातकों का माल अभी समुद्री मार्ग से अमेरिका की ओर रवाना हुआ है। टैरिफ के बाद आयातकों ने उसे रोकने का आदेश दे दिया है। अब सवाल

यह है कि इस माल को वहां स्टॉक कहां किया जाए। छोटे और मझोले कारीगरों को अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है।

समझौता ही एकमात्र उपाय– केंद्र सरकार डब्ल्यूटीओ (वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन) समझौते के कारण निर्यातकों को फ्रेट सब्सिडी या ब्याज में छूट नहीं दे सकती। ऐसे में कारोबारियों का मानना है कि यूनाइटेड किंगडम की तरह अमेरिका के साथ भी शून्य आयात शुल्क का समझौता किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि अगर जल्द कोई हल नहीं निकाला गया तो कांच निर्यात उद्योग पूरी तरह चौपट हो सकता है।

यह सामान होता है निर्यात

फिरोजाबाद से अमेरिका को ग्लास-वुड आइटम, चांदी पॉलिश वाले फ्लावर पॉट, एल्युमिनियम फिटिंग वाली लाइट्स, क्रिसमस ट्री और हैरीजन जैसी वस्तुएं भेजी जाती हैं।

यहां से आते हैं ज्यादातर ऑर्डर

ये सामान मुख्य रूप से कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा, टेक्सास और वाशिंगटन जैसे राज्यों में जाते हैं।

निर्यातकों की मांग, सरकार तुरंत करे हस्तक्षेप

निर्यातक नमन बंसल ने कहा कि 300 करोड़ के ऑर्डर रद्द होने का खतरा है और 100 करोड़ का माल रास्ते में फंसा हुआ है। वहीं निर्यातक सरवर हुसैन का कहना है कि सरकार को यूके की तरह अमेरिका के साथ भी शुल्क मुक्त व्यापार समझौता करना चाहिए, नहीं तो यह उद्योग बर्बाद हो जाएगा।

क्लब चलाना कठिन रहा...

बेंगलुरु एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनील छेत्री को भी नहीं मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग क्लब बेंगलुरु एफसी ने एक मुश्किल फैसला लेते हुए सुनील छेत्री समेत अपने सभी प्लेयर्स की सैलरी को रोक दिया है. क्लब ने इसको लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया और बताया कि वह खिलाडियों और सपोर्ट स्टाफ को कुछ समय के लिए सैलरी नहीं देंगे. क्लब ने एआईएफएफ और एफएसडीएल से गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने का आग्रह करते हुआ कहा कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए इसका शीघ्र समाधान बेहद ज़रूरी है.

बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, इंडियन सुपर लीग सीज़न के भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए, बेंगलुरु फुटबॉल

क्लब ने प्रथम टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सैलरी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का एक बेहद कठिन फैसला किया है.

भारत में एक फुटबॉल क्लब को चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक कठिन काम रहा है, जिसे हमने हर सीज़न में पूरा किया है. हालांकि, लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी के कारण हमारे पास यह कदम उठाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था. हमारे प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों का भविष्य और कल्याण हमारे लिए सबसे जरुरी है, और हम समाधान की प्रतीक्षा में उनके संपर्क में हैं.

कॉमनवेल्थ गेम्सः राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा, 2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा।

यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, हां, राष्ट्रमंडल खेल (जिसे पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था) की एक टीम नयी दिल्ली में है और पांच से सात अगस्त तक अहमदाबाद का दौरा करेगी।

मेहमान दल ने यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल इस महीने के अंत में दौरा करेगा। पिछले महीने कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। भारत ने 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र सौंपा है और अहमदाबाद को मेजबान शहर चुना गया है। देश को 31 अगस्त की समय सीमा से पहले अंतिम बोली के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा

बंगाल के भरोसेमंद बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया, के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी.

कुलदीप यादव को भी नहीं मिली जगह

रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की, लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला. रविचंद्रन अश्विन के बाहर रहने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की अनदेखी की. हर मैच से पहले उम्मीद की जाती थी कि इस बार कुलदीप को मौका मिलेगा, लेकिन हर बार उनकी जगह किसी और को टीम में शामिल किया गया. क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कुलदीप को खेलने का मौका मिलता, तो सीरीज भारत के पक्ष में झुक सकती थी.

● अर्शदीप सिंह का डेब्यू का इंतजार जारी

सीनियर पेसर जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तीन टेस्ट खेलने थे. ऐसे में उम्मीद थी कि अर्शदीप सिंह को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिलेगा, लेकिन टीम कॉम्बिनेशन और पिच की परिस्थितियों के कारण उन्हें भी पूरे दौरे में बेंच पर बैठना पड़ा. बाएं हाथ के इस युवा तेज गेंदबाज की प्रतिभा किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अर्शदीप ओवल में आखिरी टेस्ट तक इंतजार करते रह गए. नारायण जगदीशन भी इस लिस्ट में हो सकते हैं. हालांकि उन्हें केवल आखिरी टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन पंत की चोट के चलते ध्रुव जुरेल को बतौर विकेटकीपर टीम में शामिल कर लिया गया और उनका इस्तेमाल नहीं किया गया.

पहली परीक्षा में डर खत्म, इंग्लैंड दौरे पर नहीं खली रोहित-विराट की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 45 दिन के क्रिकेट में भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम इस सवाल के साथ पहुंची थी कि वह सीरीज 0-4 से हारेगी या 0-5 से क्लीन स्वीप का सामना करेगी। 20 जून को जब दौरे की शुरुआत हुई तो किसी ने नहीं सोचा था कि 4 अगस्त को जब सीरीज का समापन होगा तब ओवल स्टेडियम बेन स्टोक्स के साथ शुभमन गिल ट्रॉफी उठाते दिखेंगे। सीरीज में साफ हो गया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। 45 दिन के क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज को मैनचेस्टर टेस्ट मैच के आखिरी दिन के पलों से आंकना चाहिए। जब बेधड़क क्रिकेट खेलने का दंभ भरने वाले बेन स्टोक्स मैच ड्रॉ समाप्त करने के लिए रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के आगे गिड़गिड़ाए थे।

भारतीय टीम का रहा दबदबाः भारत-इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज को लॉर्ड्स में तीसरे दिन के अंत में आउट होने के डर से जैक क्रॉली और बेन डकेट मैदान पर लेट उतरने से आंकना चाहिए। स्टोक्स के दोनों ओपनर जैसे-तैसे समय बर्बाद करके विकेट बचाने की कोशिश में लगे थे। इस रिकॉर्ड से भापना चाहिए कि टॉप 5 सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में 3 भारतीय हैं। 21 में से 12 शतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। इस सीरीज को ओवल में 30 रन के अंदर 5 विकेट लेकर अंग्रेजों के जबड़े से जीत छीनने के लिए याद रखना चाहिए।

गिल को कप्तानी पर काम करने की जरूरत

भारत ने यह सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, लेकिन कप्तान के तौर पर शुभमन गिल को बहुत काम करने की जरूरत है। गिल ने कई बार साधारण फैसले किए। उन्होंने सीरीज में कई बार मैच को हाथ से निकलने दिया। वह कई आउट ऑफ आइडिया दिखे। गिल की कप्तानी की सबसे बड़ी कमी रही चौथे गेंदबाज का इस्तेमाल न करने जिद। वह तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पर काफी निर्भर दिखे। अंग्रेज बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देकर हावी होने दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर गिल की यह पहली सीरीज थी। उन्हें वक्त के साथ इन कमियों पर काम करना होगा।

क्यों सीरीज 2-2 से ड्रॉ रहीः भारतीय टीम का दबदबा होने के बाद भी सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही क्योंकि अहम मौकों पर शुभमन गिल की टीम ने काफी साधारण प्रदर्शन किया। लीड्स टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी टीम हार गई। इस मैच में फील्डिंग ने निराश किया। 7 कैच टपकाकर बंटाधार हुआ। रही सही कसर दूसरी पारी में गेंदबाजी ने पूरी कर दी। 371 रन के लक्ष्य के जवाब में जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

लॉर्ड्स में दबाव नहीं झेल पाई भारतीय टीमः इसके बाद भारतीय को लॉर्ड्स में हार मिली। भारतीय टीम पहली पारी में बढ़त हसिल करने से चूक गई। पहली पारी में उसने 11 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए। 193 रन लक्ष्य के जवाब में वह दबाव नहीं झेल पाई। बेन स्टोक्स की करिशमाई गेंदबाजी के आगे टॉप ऑर्डर का कोई भी बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सका। रविंद्र जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन 22 रन से हार का समाना करना पड़ा।

यह कमी करनी होगी दूरः भारतीय टीम के पास विश्व क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है। इसके लिए उसे ऑलराउंडर्स के मोह से निकलना होगा। बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करना ठीक नहीं है। ऐसे एप्रोच से नतीजा यही होगा। भारतीय टीम को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए थे। वह लीड्स, एजबेस्टन और लॉर्ड्स में परिस्थितियों का फायदा उठा सकते थे। मैनचेस्टर में भी वह इंग्लैंड को बल्लेबाजों को परेशान करते। बल्लेबाजी में नंबर 3 कमजोरी है। साई सुदर्शन और करुण नायर प्रभावित नहीं कर पाए। इस कमजोरी को भी जल्द से जल्द दूर करना होगा।

नेशनल बैंक ओपनः

मबोको का सेमीफाइनल में सामना रिबाकिना से, ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर अंतिम-चार में

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मबोको का सामना अब एलेना रिबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कज़ाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रिबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

ज्वेरेव पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

प्रो पंजा लीगः 2025

सीजन 2 में नई टीम और शोकेस बाउट से बढ़ेगा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो पंजा लीग 2025 का दूसरा सत्र मंगलवार (5 अगस्त) से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। इससे पहले सोमवार (4 अगस्त) को जिवाजी क्लब में दूसरे सत्र की शुरुआत का ऐलान हुआ। सीजन 2 का रोमांच छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथौड़ाजके जुड़ने से लीग का रोमांच और बढ़ेगा। इसके लिए 70 किलो वेट कैटेगरी में 2 शोकेश बाउट का भी ऐलान हुआ। आइए जानते हैं टूर्नामेंट के फॉर्मेट, वेन्यू, टीमें और लाइव स्ट्रीमिंग समेत अन्य जानकारी-

टूर्नामेंट के फॉर्मेट की बात करें तो एक वेट कैटेगरी में दो खिलाड़ियों के बीच बाउट्स होते हैं। इन बाउट्स में खिलाड़ियों को पिन हासिल करने यानी राउंड जीतने होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में बाउट्स तय वेट कैटेगरी में होते हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी अलग श्रेणी है। लीग प्रारूप के बाद सेमीफाइनल होगा। फिर फाइनल में विजेता तया होगा।

प्रो पंजा लीग 2025 में 5 अगस्त से 21 के बीच 17 दिन में 30 मैच होंगे। 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। विजेताओं का मुकाबला फाइनल में होगा।

'मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है', ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद मोहम्मद सिराज हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। मोहम्मद सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर की।

सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

मुझे जस्सी भाई की याद आती हैः सिराज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है, क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह और खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए। उन्होंने सोमवार सुबह के सत्र में जो भी गेंदें फेंकी उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकता भावनाएंः सिराज

मोहम्मद सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' मोहम्मद सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता और विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी।

38 साल के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गैर-चिकित्सीय कारणों के चलते टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कमर की चोट का हवाला देते हुए टोरंटो में कैनेडियन मास्टर्स से हटने का फैसला किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से भी बाहर रहने का फैसला किया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, तीन बार के चैंपियन का एटीपी मास्टर्स 1000 में 45-12 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है। इस आयोजन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में, उन्होंने 2023 के एक शानदार फाइनल में कार्लोस अल्काराज को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से हराकर जीत हासिल की थी। जोकोविच का इस सीजन में रिकॉर्ड 26-9 है, इसी साल उन्होंने मई में जिनेवा में

अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से उन्होंने सिर्फ दो इवेंट खेले हैं।

वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन दोनों ही मेजर टूर्नामेंट में जैनिक सिनर से हार गए। जोकोविच का अगला मुकाबला यूएस ओपन में होगा, जहां मुख्य ड्रॉ मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जो पुरुष और महिला एकल में मिलाकर एक सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित करेगा, और महिला वर्ग में मार्गरेट कोर्ट के वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा। इस बीच, जैनिक सिनर सिनसिनाटी ओपन पहुंच गए हैं, जहां उनका लक्ष्य ओहायो में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपने खिताब का बचाव करना होगा। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी 2025 में अपनी पहली मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने की कोशिश में हैं। इस आयोजन में सिनर के साथ अलेक्जेंडर ज्वेरेव, टेलर फ्रिट्ज और कार्लोस अल्काराज भी शामिल होंगे, जो विंबलडन फाइनल में सिनर से हार गए थे। सिनसिनाटी ओपन गुरुवार से शुरू हो रहा है और 2025 में एक बड़े बदलाव से गुजरा है। यह अब दो हफ्ते का, 96 खिलाड़ियों वाला इवेंट बन गया है, जो 260 मिलियन अमेरिकी डॉलर के कैंपस नवीनीकरण के साथ हो रहा है। इस विस्तार का मकसद नए कोर्ट जोड़कर खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के अनुभव को बेहतर बनाना है। फाइनल 18 अगस्त को खेला जाएगा।